www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

मौसम
अधिकतम तापमान 35.c
28.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 95.770g
चांदी 78.800 kg

2 लोकतंत्र के अनुभवों से निराश नेपाल, लोकतंत्र के कटु अनुभव

परिवार ने अंतिम संस्कार से किया इनकार 04

वर्ष :08 | अंक :298 | मुंबई ,रविवार , 20 अप्रैल , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

बिहार में दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में पांच लोगों की मौत

बिहार के जमुई और नवादा जिलों में शनिवार सुबह दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पहली दुर्घटना जमुई के लछुआर पुलिस थाने के अंतर्गत महाना इलाके में हुई, जहां एक वाहन के सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। जमुई पुलिस की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, तीन लोगों (अंकित कुमार सिन्हा, बौआ गुप्ता और विक्रम यादव) की मौके पर ही मौत हो गई। घायल रोहित कुमार को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। उसकी हालत स्थिर है। आगे की जांच जारी है। ग्रामीणों के अनुसार, पीड़ित एक विवाह समारोह से लौट रहे थे। नवादा में हुई दूसरी दुर्घटना में काशीचक प्रखंड के लाल बिगहा इलाके में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मोटरसाइकिल से घर जा रहे दो भाइयों की मौत हो गई।

जम्मू-कश्मीर के सांबा में सात अपराधी गिरफ्तार किये गये, हथियार जब्त

जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में शनिवार को सात कथित खूंखार अपराधियों को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से धारदार हथियार जब्त किए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि जब ये अपराधी स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) से घूम रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें विजयपुर के एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) के निकट रोककर गिरफ्तार कर लिया। प्रवक्ता ने कहा कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सांबा के याकूब अली उर्फ युका, इस्माइल उर्फ बच्चू और मोहम्मद इकबाल, जम्मू के मोहम्मद साइन, मुराद अली और मोहम्मद इरफान तथा डोडा के गजनफर रूप में की गयी है जो एक संगठित गिरोह के सदस्य हैं तथा किसी जघन्य अपराध की साजिश रच रहे थे। उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ सांबा और अन्य जिलों के विभिन्न थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं तथा उनके पास से चार धारदार हथियार और एसयूवी भी जब्त की गई है।

दिल्ली में 4 मंजिला इमारत गिरी:अब तक 11 की मौत

10 से ज्यादा लोग अब भी मलबे में फंसे; 17 घंटे से रेस्क्यू जारी

दर्दनाक हादसा

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में एक दर्दनाक घॉना घटी है। शनिवार (19 अप्रैल) को सुबह करीब 3:00 बजे एक चार मंजिला आवासीय इमारत ढह गई। जिसमें सुबह के समय चार लोगों की मौत की खबरें आयी लेकिन अब मौत का आंकड़ा बढ़ गया है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में शुक्रवार देर रात ढाई बजे 4 मंजिला बिल्डिंग ढह गई। हादसे में मरने वालों का आंकड़ा 11 पहुंच गया है। पुलिस के मुताबिक हादसे में 22 से ज्यादा लोगों के मलबे में दबे होने की खबर है। हादसे के बाद 14 लोगों को रेस्क्यू कर जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इनमें से 11 की इलाज के दौरान मौत हो गई। एनडीआरएफ और दिल्ली पुलिस की टीमें रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हैं। डिविजनल फायर ऑफिसर राजेंद्र अटवाल ने बताया कि देर रात एक मकान ढहने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे तो पता चला कि पूरी बिल्डिंग ढह गई है और लोग मलबे में फंसे हुए हैं। पुलिस के साथ मिलकर बचाव अभियान चलाया जा रहा है। दरअसल, शुक्रवार रात दिल्ली में मौसम ने अचानक करवट ली थी। तेज बारिश और आंधी-तूफान के चलते कई इलाकों में नुकसान हुआ। माना जा रहा है कि इसी वजह से मुस्तफाबाद की इमारत भी ढह गई।

दिल्ली सीएम ने मुस्तफाबाद इमारत ढहने की जांच के आदेश दिए

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इमारत ढहने की घटना की जांच के आदेश दिए हैं और कहा है कि एजेंसियां बचाव कार्य में लगी हुई हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सभी घायलों के उचित उपचार की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा, मुस्तफाबाद में इमारत ढहने की दुखद घटना से बहुत दुख हुआ। घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गुप्ता ने कहा, इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में मारे गए लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवारों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

स्थानीय विधायक बोले- हादसा एमसीडी की लापरवाही का नतीजा

डिप्टी स्पीकर और मुस्तफाबाद से विधायक मोहन सिंह बिष्ट ने मौके पर पहुंचकर कहा कि यह हादसा एमसीडी की लापरवाही और भ्रष्टाचार का नतीजा है। उन्होंने बताया कि चुनाव जीतने के बाद उन्होंने इस इमारत को खतरनाक बताया था और एलजी व एमसीडी को आगाह भी किया था। बिष्ट ने कहा कि मुस्तफाबाद में कई अवैध और जर्जर इमारतें हैं और बिजली कंपनियां गरीबों को कनेक्शन नहीं देतीं। मृतकों के परिवार को मुआवजा देने की घोषणा की गई है।

पिछले हफ्ते भी हुआ था ऐसा ही हादसा

इससे पहले 11 अप्रैल को दिल्ली के मधु विहार में एक निमार्णाधीन इमारत की दीवार गिर गई थी। यह घटना मधु विहार पुलिस स्टेशन के पास हुई थी। हादसे में एक व्यक्ति की जान चली गई, जबकि दो लोग घायल हुए थे।पूर्वी दिल्ली के एडीसी विनीत कुमार ने बताया था, हमें शाम करीब 7 बजे एक ढउफ कॉल मिली। मौके पर पहुंचने पर हमने पाया कि एक छह मंजिला निमार्णाधीन इमारत की दीवार धूल भरी आंधी के दौरान गिर गई। एक व्यक्ति की मौत हो गई।

मुंबई में मंदिर तोड़ने के खिलाफ जैन समुदाय का प्रदर्शन

कोर्ट में सुनवाई से पहले बीएमसी की कार्रवाई; लोग बोले- हम कमजोर नहीं, मंदिर वहीं बनाएंगे

ट्रस्टी बोले- बीएमसी की परमिशन से रेनोवेट करवाया था

कांबलीवाड़ी में नेमिनाथ सहकारी आवास सोसाइटी में बने मंदिर (चैत्यालय) के ट्रस्टी अनिल शाह ने कहा कि इसे 16 अप्रैल को ढहा दिया गया। शाह ने बताया कि यह मंदिर 1960 के दशक का था और बीएमसी की परमिशन से इसका जीर्णोद्धार कराया गया था। उन्होंने दावा किया कि एक सरकारी प्रपोजल था, जिसमें कहा गया है कि ऐसे मंदिर को नियमित किया जा सकता है। आपको केवल बीएमसी को नियमितीकरण के लिए प्रपोजल पेश करना होगा और हमने वह बीएमसी को दिया था।

एजेंसी

मुंबई , विले पार्ले ईस्ट के कांबलीवाड़ी में 30 साल पुराना पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर को बीएमसी की टीम ने 16 अप्रैल को तोड़ दिया। इस कार्रवाई से पहले नगर निगम ने मंदिर को नोटिस भेजा था। जिसके खिलाफ जैन समाज ने एक याचिका भी दायर की थी। इस पर 17 अप्रैल को सुनवाई होनी थी।ब्रह्ममुंबई की टीम की कार्रवाई सुनवाई से पहले ही की गई। इसके कारण जैन समुदाय के लोग आक्रामक हो गए हैं। उन्होंने शनिवार को अहिंसक तरीके से अपना गुस्सा जाहिर किया। हजारों की तादाद में महिलाएं--पुरुष सड़कों पर नारे लगाते हुए नजर आए। सभी ने काली पट्टी बांधकर बीएमसी का विरोध किया। लोग नारे लगा रहे थे - हम कमजोर नहीं हैं, मंदिर वहीं बनाएंगे। स्थानीय लोगों का आरोप है कि राम कृष्ण रेस्टोरेंट के मालिक के कहने पर जैन मंदिर को ध्वस्त किया गया। वह परिसर में बार शुरू करना चाहता था, लेकिन मंदिर के कारण उसे लाइसेंस नहीं मिल सका। इसलिए उसने मंदिर की जमीन से जुड़े मुद्दे खोजकर इसे तुड़वाया।

कांग्रेस बोली- यह पूर्व नियोजित षड्यंत्र

कांग्रेस नेता वर्षा गायकवाड़ ने इसे षड्यंत्र बताया है। वर्षा ने कहा, जैन समुदाय की मांग क्या है? मंदिर को ध्वस्त करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उनकी मांग सही है। दो जेसीबी लाई गईं। महिलाओं पर हमला किया गया। जैन समुदाय शांतिपूर्ण है। क्या आपने कभी उसकी आवाज सुनी है। लेकिन आज उन्हें भी सड़कों पर उतरना पड़ा। राजस्थान और मुंबई में जैन समुदाय की रैलियां हो रही हैं। हैरानी की बात यह है कि सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक और मंत्री भी इस रैली में शामिल हुए। यह उनकी सरकार है। आस्था के स्थान को बनाए रखना उनका काम है। हालांकि, ऐसा होता हुआ प्रतीत नहीं हो रहा है। यह कार्रवाई पूर्वनियोजित थी। यह एक षड्यंत्र है।

मंगलप्रभात लोढ़ा बोले- धर्म की रक्षा हम सबकी जिम्मेदारी

मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने भी जैन समुदाय के प्रदर्शन में भाग लिया। लोढ़ा ने बीएमसी की इस कार्रवाई की निंदा की थी।

'हमारे आदर्श इस्लाम विरोधी या मुस्लिम विरोधी बिलकुल नहीं'

औरंगजेब विवाद के बीच बोले राजनाथ

एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उन राजनीतिक दलों की आलोचना की जो बाबर, तैमूर, औरंगजेब और गजनवी जैसे ऐतिहासिक पात्रों की प्रशंसा करते हैं, जिन्हें अक्सर भारत में आक्रमणों से जोड़ा जाता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से ऐसी प्रशंसा की उम्मीद की जाती है, लेकिन जब यह भारत के भीतर से आती है तो इस पर सवाल उठता है। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान में बाबर, तैमूर, औरंगजेब और गजनवी की तारीफ की जाती है तो यह समझ में आता है क्योंकि उनकी नीति और राजनीति दोनों ही भारत विरोधी हैं। उन्होंने (पाकिस्तान ने) जो भी मिसाइलें बनाई हैं, उनका नाम बाबर, गजनवी जैसे आक्रमणकारियों के नाम पर रखा है।राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि हम पाकिस्तान के भारत विरोधी रुख को समझते हैं लेकिन इन लोगों की क्या मजबूरी है? क्या उन्हें लगता है कि बाबर, तैमूर, औरंगजेब, गजनवी का समर्थन करके उन्हें मुस्लिम समुदाय का समर्थन मिल जाएगा? ऐसा करके वे देश के मुस्लिम समुदाय का भी अपमान कर रहे हैं। सिंह ने छत्रपति शिवाजी महाराज और महाराणा प्रताप जैसे ऐतिहासिक व्यक्तित्वों से प्रेरणा लेते हुए भारत के समावेशी चरित्र पर जोर दिया, जिन्होंने धर्म की परवाह किए बिना सभी के लिए एकता और कल्याण को बढ़ावा दिया।रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारे आदर्श इस्लाम विरोधी या मुस्लिम विरोधी बिलकुल नहीं थे। हकीम खान सूरी ने मुगलों के खिलाफ हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप के साथ लड़ाई लड़ी थी। छत्रपति शिवाजी महाराज की सेना में मुस्लिम समुदाय के लोग भी थे। छत्रपति शिवाजी महाराज के अंगरक्षकों में सबसे भरोसेमंद व्यक्ति मदारी नाम का एक मुस्लिम युवक था।

> राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि हम पाकिस्तान के भारत विरोधी रुख को समझते हैं लेकिन इन लोगों की क्या मजबूरी है? क्या उन्हें लगता है कि बाबर, तैमूर, औरंगजेब, गजनवी का समर्थन करके उन्हें मुस्लिम समुदाय का समर्थन मिल जाएगा?

अमित शाह ने युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का दिया मंत्र

बोले- 'नहीं लेता हूं दवा या इंसुलिन'

विश्व लिवर दिवस पर गृहमंत्री अमित शाह ने युवाओं से ध्यानपूर्वक खाने और स्वस्थ जीवन जीने के आान किया. साथ ही अपने अनुभव साझा किये .उचित नींद और आहार को दिया. युवाओं से बेहतर भविष्य के लिए शारीरिक गतिविधि और आराम को प्राथमिकता देने का आग्रह किया.

एजेंसी

नई दिल्लीः हर साल 19 अप्रैल को लिवर डे मनाया जाता है. इस दिन को मनाने की शुरूआत 1996 में यूरोपियन एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ द लिवर ने की. लिवर अगर एक बार खराब हो जाए तो उसका इलाज मुश्किल और महंगा हो सकता है. विश्व लिवर दिवस से जागरूकता फैलायी जाती है कि जीवन शैली में एक छोटा सा बदलाव करके स्वस्थ रह सकते हैं. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार को विश्व लिवर दिवस के अवसर पर आईएलबीएस (लिवर और पित्त विज्ञान संस्थान) कार्यक्रम में शामिल हुए.अमित शाह ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के अपने व्यक्तिगत अनुभव को साझा करते हुए अपने बेहतर स्वास्थ्य का श्रेय नियमित व्यायाम, उचित नींद और आहार को दिया. युवाओं से बेहतर भविष्य के लिए शारीरिक गतिविधि और आराम को प्राथमिकता देने का आग्रह किया. उन्होंने कहा कि मई 2020 से लेकर आज तक अपने जीवन में बहुत बड़ा बदलाव किया. आवश्यक मात्रा में नींद, पानी, आहार और नियमित व्यायाम ने उनको बहुत कुछ दिया है. अमित शाह ने कहा कि आज भी वो किसी भी तरह की दवा और इंसुलिन नहीं लेते हैं. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, देश के युवाओं को अभी 40-50 साल और जीना है और देश की प्रगति में योगदान देना है. मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे अपने शरीर के लिए दो घंटे व्यायाम और अपने मस्तिष्क के लिए छह घंटे की नींद समर्पित करें।

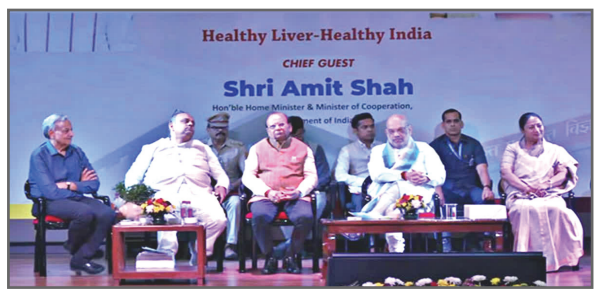

'नेहरू ने हमें राजनीति नहीं सिखाई, उन्होंने हमें सच्चाई के लिए खड़ा होना सिखाया'

पॉडकास्ट में बोले, राहुल गांधी

नेहरू ने हमें राजनीति नहीं सिखाई- उन्होंने हमें डर का सामना करना और सच्चाई के लिए खड़ा होना सिखाया.

एजेंसी

नई दिल्लीः कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को अपनी राजनीतिक यात्रा के पीछे की गहरी प्रेरणाओं के बारे में बात की. अपने परदादा जवाहरलाल नेहरू से प्रेरणा लेने की बात कही. संदीप दीक्षित के साथ पॉडकास्ट में राहुल ने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें सत्ता की नहीं बल्कि सत्य की खोज की प्रेरणा मिलती है.

शनिवार को एक्स पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पॉडकास्ट का वीडियो शेयर किया है. पॉडकास्ट में राहुल गांधी ने अपने परिवार और अपनी विचारधारा के बारे में विस्तार से बताया. कांग्रेस सांसद ने कहा, मैं इस बारे में बात करूंगा कि मुझे क्या प्रेरित करता है. 'सत्य की खोज' और यह खोज मेरे परदादा जवाहरलाल नेहरू से कैसे प्रेरित है।

राणा सांगा विवाद- अखिलेश सपा सांसद के घर पहुंचे

बोले- मुझे फूलन देवी जैसी हत्या की धमकी मिली, मैं दलित रामजी सुमन के साथ हूं

सपा प्रमुख ने कहा- आगरा में जो तथाकथित शक्ति प्रदर्शन हुआ, उसमें तलवारें लहराई गईं। आरोपियों को कार्रवाई का डर नहीं है। रामजीलाल सुमन के घर तोड़फोड़ की गई। यह हमला अचानक नहीं हुआ, बल्कि साजिश के तहत किया गया।

एजेंसी

आगरा , सपा प्रमुख अखिलेश यादव राणा सांगा को गद्दार कहने वाले रामजीलाल सुमन से मिलने आगरा पहुंचे। उन्होंने सपा सांसद का हाल-चाल जाना। इसके बाद कहा- मैं दलित सांसद रामजीलाल सुमन के साथ खड़ा हूं। मुझे धमकी मिल रही है कि जैसे फूलन देवी को मारा वैसे तुम्हें मारेंगे, आखिरकार इनके पीछे कौन हैं?इधर, क्षत्रिय सभा और अन्य हिंदू संगठनों के विरोध को देखते हुए सांसद के घर की सुरक्षा बढ़ा दी गई। सोसाइटी और आसपास पुलिस और पीडीए के 800 जवान तैनात रहे। सिर्फ उन्हीं लोगों को आईडी कार्ड देखकर एंट्री दी गई, जिनके नाम सांसद की ओर से पुलिस को दिए गए। रामजीलाल सुमन हरीपर्वत स्थित जिस सोसाइटी में रहते हैं।अखिलेश ने कहा- जिस शहर को स्मार्ट सिटी बनाना था, वो शहर जाम में उलझ गया।

मिथुन चक्रवर्ती ने फिर की पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

एजेंसी

नई दिल्लीः भाजपा नेता और अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के मद्देनजर पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने का अनुरोध करते हुए कहा कि चुनाव के दौरान कम से कम दो महीने के लिए राज्य में सेना तैनात की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैंने कई बार अनुरोध किया है और मैं अभी भी गृह मंत्री से अनुरोध कर रहा हूं। कम से कम चुनाव के दौरान दो महीने के लिए सेना को तैनात करें। अगर उन्हें तैनात किया जाता है, तो निष्पक्ष चुनाव हो सकेंगे। चक्रवर्ती ने बंगाल पुलिस की भी आलोचना की।

कानून | वक्फ सुनवाई के बीच बोले बीजेपी सांसद

'कानून यदि सुप्रीम कोर्ट ही बनाएगा तो संसद भवन बंद कर देना चाहिये'

एजेंसी

नयी दिल्ली। वक्फ एक्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। हालांकि, इस एक्ट को लेकर बवाल लगातार जारी है। इन सबके बीच बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे का बड़ा बयान सामने आया है। बीजेपी सांसद ने एक्स पोस्ट में लिखा कि कानून यदि सुप्रीम कोर्ट ही बनाएगा तो संसद भवन बंद कर देना चाहिये। इससे पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट की शक्तियों पर कड़े शब्दों में टिप्पणी करते हुए कहा कि लोकतंत्र में ऐसी स्थिति नहीं हो सकती जहां अदालतें राष्ट्रपति को निर्देश दें। उनकी यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक ऐतिहासिक फैसले में राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए संविधान के अनुच्छेद 370 को मंजूरी देने की समय सीमा तय करने के कुछ दिनों बाद आई है। राज्यसभा के प्रशिक्षुओं के छठे बैच को संबोधित करते हुए धनखड़ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आवास से भारी मात्रा में नकदी बरामद होने के बारे में विस्तार से बात की और इस विवाद पर न्यायपालिका की प्रतिक्रिया की आलोचना की। उपराष्ट्रपति ने विधेयक को मंजूरी देने के लिए राष्ट्रपति के अधिकार क्षेत्र पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का हवाला दिया और पूछा कि क्या न्यायाधीश सुपर-संसद के रूप में कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि हाल ही में एक फैसले में राष्ट्रपति को निर्देश दिया गया है। हम कहां जा रहे हैं? देश में क्या हो रहा है? हमें बेहद संवेदनशील होना होगा। यह किसी के द्वारा समीक्षा दायर करने या न करने का सवाल नहीं है। हमने इस दिन लोकतंत्र के लिए कभी सौदेबाजी नहीं की। राष्ट्रपति को समयबद्ध तरीके से निर्णय लेने के लिए कहा जाता है, और यदि ऐसा नहीं होता है, तो यह कानून बन जाता है। इसलिए हमारे पास ऐसे न्यायाधीश हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यकारी कार्य करेंगे, जो सुपर-संसद के रूप में कार्य करेंगे, और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है। धनखड़ ने देश को हिलाकर रख देने वाले विवाद को याद करते हुए कहा कि 14 और 15 मार्च की रात को नई दिल्ली में एक जज के घर पर एक घटना घटी। सात दिनों तक किसी को इस बारे में पता नहीं चला। हमें खुद से सवाल पूछने होंगे। क्या देरी की वजह समझी जा सकती है? क्या यह माफी योग्य है? क्या इससे कुछ बुनियादी सवाल नहीं उठते? किसी भी सामान्य परिस्थिति में, और सामान्य परिस्थितियाँ कानून के शासन को परिभाषित करती हैं - चीजें अलग होतीं।

> बीजेपी सांसद ने एक्स पोस्ट में लिखा कि कानून यदि सुप्रीम कोर्ट ही बनाएगा तो संसद भवन बंद कर देना चाहिये। इससे पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट की शक्तियों पर कड़े शब्दों में टिप्पणी करते हुए कहा कि लोकतंत्र में ऐसी स्थिति नहीं हो सकती जहां अदालतें राष्ट्रपति को निर्देश दें।

'तेजस्वी यादव का आरोप, नीतीश सरकार पर राजनीतिक प्रचार के लिए 225 करोड़ का दुरुपयोग, बीजेपी का पलटवार

तेजस्वी ने कहा कि नीतीश कुमार सरकार ने महिला संवाद के नाम पर 225 करोड़ रुपये के डिजिटल रथ का ऑर्डर दिया है। उन्होंने कहा कि रदाताओं के पैसे से छह सौ डिजिटल चुनाव रथों को मंजूरी दी गई है, जिसमें ग्रामीण विकास विभाग ने 225 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जिसे उन्होंने सीएम की 'यात्रा' बताया है, एक अभियान जिसका वास्तविक उद्देश्य छिपाने के लिए कथित तौर पर कई नाम बदले गए।

एजेंसी

नयी दिल्ली। राजद नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जद (यू) आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अपने राजनीतिक अभियान को बढ़ावा देने के लिए जनसंपर्क की आड़ में सरकारी धन का दुरुपयोग कर रहे हैं। पटना में पार्टी मुख्यालय में बोलते हुए तेजस्वी ने दावा किया कि 'महिला संवाद' जैसी पहल के माध्यम से सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है, जिसे उन्होंने राजनीतिक प्रचार का एक मोर्चा बताया। तेजस्वी ने कहा कि नीतीश कुमार सरकार ने महिला संवाद के नाम पर 225 करोड़ रुपये के डिजिटल रथ का ऑर्डर दिया है। उन्होंने कहा कि रदाताओं के पैसे से छह सौ डिजिटल चुनाव रथों को मंजूरी दी गई है, जिसमें ग्रामीण विकास विभाग ने 225 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जिसे उन्होंने सीएम की 'यात्रा' बताया है

एक अभियान जिसका वास्तविक उद्देश्य छिपाने के लिए कथित तौर पर कई नाम बदले गए। तेजस्वी ने सरकार पर बड़े पैमाने पर वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए कहा कि दिसंबर 2024 से अब तक सिर्फ छह से सात कैबिनेट बैठकों में 76,622 करोड़ रुपये की योजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें से अधिकांश निर्माण से संबंधित हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 19 दिसंबर को एक ही कैबिनेट बैठक में 1,949 करोड़ रुपये मंजूर किए गए।

सम्पादकीय

आदर्श भारत के निर्माण की आधारशिला, राजनीतिक लोकतंत्र को सामाजिक लोकतंत्र में भी बदलना होगा

बीते दिनों आंबेडकर जयंती से जुड़े तमाम आयोजन देश भर में हुए। इनमें जाने-माने लोगों की सहभागिता दिखी। यह अच्छी बात है कि राष्ट्र निर्माण में डॉ. भीमराव आंबेडकर के योगदान को समय के साथ और व्यापक मान्यता मिल रही है, लेकिन इसका व्यापक उद्देश्य तब तक अपूर्ण रहेगा, जब तक हम बाबासाहेब के मूल्यों एवं सिद्धांतों को अपने जीवन में नहीं उतारते।इसके लिए हमें बाबासाहेब के विचारों का मर्म समझना होगा कि वह किस प्रकार के आदर्श भारत का निर्माण करना चाहते थे। इस संदर्भ में संविधान सभा में उनका समापन भाषण बहुत उल्लेखनीय कहा जा सकता हैइस भाषण में उन्होंने देश और उसके नागरिकों के लिए उन महत्वपूर्ण दिशानिदेर्शों का उल्लेख किया था कि उन्हें एक लोकतांत्रिक राष्ट्र के उद्देश्य की पूर्ति के लिए राष्ट्रीय एकता की मजबूती और आर्थिक प्रगति की राह में किस प्रकार अपनी भूमिका निभानी चाहिए, ताकि लोगों का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। इस परिप्रेक्ष्य में यह विचार करने की भी आवश्यकता है कि उनके सुझाव किस प्रकार राष्ट्रीय नीति को आकार देने का आधार बने और उन्होंने भारत को विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति के लिए कैसे सक्षम बनाया।डॉ. आंबेडकर का कहना था कि हमें केवल राजनीतिक लोकतंत्र से ही संतुष्ट नहीं होना होगा। हमें राजनीतिक लोकतंत्र को सामाजिक लोकतंत्र में भी बदलना होगा। अन्यथा राजनीतिक लोकतंत्र बहुत लंबे समय तक टिका नहीं रह सकता। आखिर सामाजिक लोकतंत्र क्या है? इस पर उनका विचार था, इसका अर्थ है एक ऐसी जीवनपद्धति जो स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को जीवन के सिद्धांतों के रूप में मान्यता देती है।जहां समानता का अभाव कई समस्याओं को जन्म देगा, वहीं बंधुत्व के बिना स्वतंत्रता एवं समानता का स्वाभाविक रूप से अक्षुण्ण बने रहना संभव नहीं होगा। इन आदर्शों को ध्यान में रखते हुए डॉ. आंबेडकर ने मौलिक अधिकार सुनिश्चित किए।इस क्रम में अस्पृश्यता का उन्मूलन, अनुसूचित जातियों, जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए आरक्षण और सामाजिक परिदृश्य पर एकसमान धरातल तैयार करने के लिए अन्य संवैधानिक गारंटियां दी गईं।जबसे संविधान लागू हुआ, तबसे एक के बाद एक सरकारों ने हमारे लोकतंत्र को सामाजिक लोकतंत्र बनाने के निरंतर प्रयास किए हैं। दलितों और अन्य वंचित वर्गों को गारंटियां प्रदान करने के साथ ही गरीबी उन्मूलन और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए आवासीय, पेयजल, रोजगार, शिक्षा और रसोई गैस जैसी योजनाओं के जरिये उनके उत्थान के लिए कई पहल की गईं। लोगों का जीवन स्तर सुधारने के लिए राज्य के निदेशक तत्वों में स्पष्ट व्यवस्था की गई है।देश की सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक जटिलताओं को देखते हुए संविधान के अस्तित्व में आने के समय उसमें आठ अनुसूचियां और 395 अनुच्छेद थे।

आज का विचार

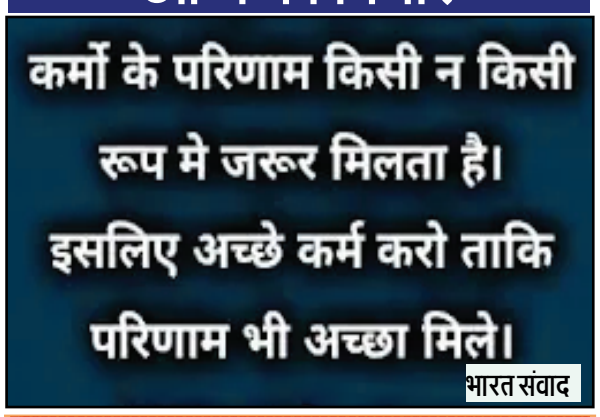

राशिफल

मेष राशिः दिन अच्छा रहेगा. कल जरूरी काम से शहर से बाहर जाना पड़ सकता है. स्वास्थ्य ठीक रहेगा. बिजनेस में कोई बड़ी डील हो सकती है. आर्थिक लाभ होगा. परिवार में मांगलिक कार्य के योग बनेंगे. परिवार में नया मेहमान आ सकता है.

वृषभ राशिः दिन सामान्य रहेगा. सोचे हुए काम पूरे होंगे. स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा. परिवार में मांगलिक कार्य के योग बनेंगे. शादी के प्रस्ताव मिलेंगे. व्यापार-व्यवसाय में आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है. कोई भी फैसला सोच-समझकर लें.

मिथुन राशिः दिन ठीक-ठाक रहेगा. कोई रुका हुआ काम पूरा होने से मन प्रसन्न रहेगा. स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव दिखाई पड़ेगा. व्यापार-व्यवसाय में आर्थिक स्थिति मजबूत होगी. परिवार में मांगलिक कार्य का योग बनेगा.

कर्क राशिः दिन अच्छा रहेगा. धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं. किसी खास इन्सान से मिलना होगा. इस मुलाकात से भविष्य में लाभ के योग बनेंगे. बिजनेस में नया काम शुरू कर सकते हैं. कोई बड़ी डील या पार्टनरशिप मिल सकती है.

सिंह राशिः दिन अनुकूल रहेगा. नौकरी की तलाश खत्म होगी. आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. व्यापार-व्यवसाय में भी बड़ा ऑफर मिल सकता है. किसी विशेष व्यक्ति से मिलना होगा. परिवार में सभी का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा.

कन्या राशिः दिन अच्छा रहेगा. सोचे हुए कार्य पूर्ण होंगे. स्वास्थ्य में लाभ प्राप्त होगा. किसी पुराने मित्र या सहयोगी से मिलना होगा. परिवार में कोई सुख समाचार प्राप्त होगा. रुका हुआ कार्य कार्य पूर्ण हो सकता है.

तुला राशिः दिन अच्छा रहेगा. नौकरी का प्रयास करने वालों को सफलता मिलेगी. स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा संभल कर रहें. लापरवाही भारी पड़ सकती है. सुखद समाचार प्राप्त होगा. पत्नी से मतभेद दूर होंगे.

वृश्चिक राशिः आप अपने स्वास्थ्य को लेकर परेशान रह सकते हैं. व्यापार-व्यवसाय में कल आपको घाटा लग सकता है कार्यक्षेत्र में परिवर्तन करना कल आपके हित में नहीं होगा परिवार में वाद विवाद की स्थिति से बचें पत्नी से संबंध मधुर रखें.

धनु राशिः सेहत पर ध्यान दें. लापरवाही बीमार कर सकती है. किसी षड्यंत्र का शिकार हो सकते हैं. व्यापार-व्यवसाय में हानि उठाना पड़ सकती है. कोई नया कार्य यदि शुरू करना चाहते हैं, तो यह समय उपयुक्त नहीं है.

मकर राशिः नया वाहन खरीद सकते हैं. सेहत अच्छी रहेगी. बिजनेस में लाभ होगा. कोई बड़ा काम कार्य क्षेत्र में मिल सकता है. नौकरी वर्ग वालों को पदोन्नति मिल सकती है. परिवार में माहौल शानदार रहेगा.

कुंभ राशिः दिन शुभ सूचक होगा. परिवार में पुत्र का जॉब लग सकता है. कोई सुखद समाचार मिलेगा. स्वास्थ्य में कुछ नरमी रहेगी. परिवार में मांगलिक कार्य का योग बनेगा. नया वाहन या भवन खरीद सकते हैं.

मीन राशिः ससुराल पक्ष से आर्थिक मदद प्राप्त कर सकते हैं. पत्नी से मतभेद दूर होंगे. कोई खुशखबरी मिल सकती हैं. परिवार में माहौल आपके पक्ष में रहेगा. व्यापार-व्यवसाय में कोई नई कार्य योजना बन सकती हैं. कोर्ट केस में जीत मिलेगी.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लोकतंत्र के अनुभवों से निराश नेपाल, लोकतंत्र के कटु अनुभव

नेपाली जनमत का एक बड़ा वर्ग भारतीय रुख के प्रति सकारात्मक राय रखता है। प्रचंड और ओली की भारत यात्रा निकट भविष्य में संभावित है। दोनों देश की सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत एक-दूसरे को मजबूत धागे में बांधे हुए है। पशुपतिनाथ मंदिर के मुख्य महंत रावल गणेश भट्ट भारतीय हैं और स्वयं को आदि शंकराचार्य का वंशज मानते हैं।

नेपाल इस समय राजनीतिक एवं आर्थिक अस्थिरता से घिरा है।एक लंबे राजनीतिक आंदोलन के बाद अप्रैल 2008 में नेपाल में राजशाही समाप्त हुई संविधान सभा के चुनाव हुए थे।इससे पूर्व लोकतंत्र की महक का पहला अहसास 1951 में हुआ था, जब 104 वर्ष की राणाशाही का अंत हुआ था।नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं बीपी कोइराला, गणेश मान सिंह, जीपी कोइराला आदि के संघर्षों का नतीजा था कि 1959 में पहली जनतांत्रिक सरकार अस्तित्व में आई, लेकिन राजवंश को ऐसी कोई व्यवस्था स्वीकार नहीं थी, लिहाजा सभी दलों पर प्रतिबंध लगाकर संविधान एवं संसद को भंग कर दिया गया।नई सदी में पुनः लोकतंत्र बहाली आंदोलन में वामपंथी संगठनों की व्यापक हिस्सेदारी रही, जिसमें प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) और पुष्पकमल दहल प्रचंड के नेतृत्व वाली माओवादी पार्टी भी शामिल रही।कोइराला बंधुओं के घटते प्रभाव और आंतरिक कलह का नतीजा यह रहा कि प्रजातंत्र बहाली के अगुआ माओवादी और एमाले हो गएपिछले 16-17 वर्षों में लोकतंत्र समर्थक दलों के प्रति जनता के अविश्वास का ही नतीजा है कि राजशाही के समर्थन में जनता सड़कों पर उतर आई। नेपाल में इस समय कई विकल्पों पर चर्चा गर्म है। इस चर्चा के बीच ऐसे

सवाल भी तैर रहे हैं कि क्या लोकतांत्रिक व्यवस्था विफलता की ओर अग्रसर है? क्या पुनः राजशाही ही एकमात्र विकल्प है? क्या नेपाल को पुनः हिंदू राष्ट्र बनना चाहिए?प्रचंड से लेकर नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा तक यह मानने लगे हैं कि जनतंत्र समर्थक सरकारें जनता का विश्वास जीतने में विफल रही हैं। सभी दलों के प्रति अविश्वास बढ़ता जा रहा है, लेकिन राजशाही के समर्थन में किसी व्यापक जनउभार से ये नेता इन्कार कर रहे हैं।पिछले दिनों सभी दलों की बैठक में सर्वसम्मति से कहा गया कि राजशाही के समर्थन में निकले जुलूस के पीछे पूर्व राजा ज्ञानेंद्र की शह थी। हाल में नेपाली नव वर्ष (14 अप्रैल) को ज्ञानेंद्र ने जनता के नाम संदेश में कहा कि देश की पूरी व्यवस्था को नए सिरे से सोचना चाहिए। इसी दिन प्रचंड ने दावा किया कि देश को जल्द नई सरकार और नया गठबंधन देखने को मिलेगा।इस पर प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कहा कि सरकार बदलने की बात दिवास्वप्न जैसी है।प्रचंड ने सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर को ओली का साथ छोड़कर खुद के नेतृत्व में सरकार बनाने का प्रस्ताव भी दिया। आगे जो भी हो, सभी दलों के नेता इस पर सहमत दिखते हैं कि पिछले वर्षों में नेपाल में बहुत कम विकास हुआ है।नेपाल में आर्थिक कठिनाई और राजनीतिक अस्थिरता के बीच भ्रष्टाचार चरम पर है। भ्रष्टाचार ने सरकार, व्यवसाय और समाज के सभी स्तरों पर घुसपैठ कर ली है, जिससे नागरिकों में रोष फैल रहा है। नौकरी पाने, सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच में राजनीतिक रसूख और रिश्वत को आवश्यक माना जाता है।ऐसे कई घोटाले हुए हैं, जिन्होंने सत्ता के कदाचार को उजागर किया है। सबसे ज्यादा निराशा वामपंथी नेताओं के आचरण को लेकर है, जिन्होंने शुचिता और सादगी को आवश्यक माना था। विलासितापूर्ण जीवनयापन में उन्होंने राजशाही की बराबरी कर ली है। जिन बातों को लेकर ह्यमहलह्ल की आलोचना की जाती थी, वे सभी अवगुण इन नेताओं की दिनचर्या का हिस्सा बन गए हैं।आर्थिक रूप से भी नेपाल अभी खस्ताहाल है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक, 2024 के अनुसार 20 प्रतिशत से अधिक लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं। नेपाल में रोजगार के अवसरों की कमी के कारण लोग विदेश पलायन को मजबूर हैं। आर्थिक चुनौतियों के बीच नेपाल का राजनीतिक परिवेश इतना खराब हो चला है कि प्रधानमंत्री ओली जहां भी सभा करने जा रहे हैं वहां, नेता चोर हैं, नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाओ जैसे नारे गूंज रहे हैं।नेपाल में हिंदू राष्ट्र और राजशाही की बहाली के लिए कई समूह आंदोलन चला रहे हैं। दुर्गा प्रसाई राजशाही के समर्थन में चल रहे आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। इससे पूर्व वह नेपाली कांग्रेस, माओवादी पार्टी और एमाले में रह चुके हैं। नेपाल में 1996 से 2006 तक चले गृहयुद्ध में भी उनकी भूमिका खासी महत्वपूर्ण थी। इस गृहयुद्ध में 17 हजार से अधिक लोग मारे गए थे। राजशाही समर्थक अब संसद पर कब्जे के नारे लगाते दिखते हैं। ह्यहिंदू राष्ट्रह्ल समर्थक कई नेताओं की वार्ता से लगता है कि वे राजशाही की वापसी के प्रति नरमी नहीं रखते, पर देश को फिर हिंदू राष्ट्र बनता हुआ देखना चाहते हैं।नेपाली जनमत का एक बड़ा वर्ग भारतीय रुख के प्रति सकारात्मक राय रखता है। प्रचंड और ओली की भारत यात्रा निकट भविष्य में संभावित है। दोनों देश की सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत एक-दूसरे को मजबूत धागे में बांधे हुए है। पशुपतिनाथ मंदिर के मुख्य महंत रावल गणेश भट्ट भारतीय हैं और स्वयं को आदि शंकराचार्य का वंशज मानते हैं।भगवान बुद्ध और माता सीता भी दोनों देशों के संबंधों की कड़ी हैं। लोकतंत्र के कटु अनुभवों ने नेपाली जनमानस को झकझोर कर रख दिया है और भारत विरोधी रुख अपनाने वाले नेता भी अब भारत की भूमिका की प्रशंसा में लगे हैं। हाल में विदेश मंत्री जयशंकर भारत-नेपाल संबंधों पर काफी सक्रिय दिखे, पर ओली के वक्तव्य गलत संदेश दे रहे हैं। वह राजशाही बहाली आंदोलन के पीछे भारत का हाथ देखते हैं।

महंगी होती शिक्षा, बचपन पर बोझ और सरकार की चुप्पी शिक्षा का बढ़ता बाजारीकरण

विजय गर्ग

बचपन अतुलित आनंद यानी चंचलता और हंसने-हंसाने का नाम है। कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान ने लिखा है, ह्यचिंता रहित खेलना, खाना और निर्भय स्वच्छंद फिरना..! कैसे भूला जा सकता है बचपन का अतुलित आनंद ह्ल इसलिए बचपन का स्वागत उत्साह एवं भावनाओं से हो। बच्चों के पाठ्यक्रम की चर्चा की जाए तो वह मनोरंजन, यानी हंसने-हंसाने के साथ अधिगम (समझ) हासिल करने वाला होना चाहिए। बरसों से यह बात सुर्खियों में रहती आई है कि गैरसरकारी और निजी स्कूल संचालकों द्वारा बच्चों की पढ़ाई के निमित्त मोटी फीस वसूली जाती है। पाठ्यक्रम के नाम पर भारी-भरकम पुस्तकें बचपन पर थोपी जा रही है।पाठ्य सामग्री ऊंची कीमत पर खरीदने के लिए अभिभावकों पर परोक्ष, तो कहीं-कहीं प्रत्यक्ष दबाव बनाया जाता है। शिक्षा खुले आम बेची जा रही है और वह भी ऊंचे दामों पर। अभिभावक मजबूरी में खरीद रहे है। बच्चों की शिक्षा के नाम पर ऊंचे दाम पर शिक्षा बिकती है, मोटी रकम वसूली जा रही होती है, ऐसे में संबंधित प्रदेश और देश की सरकार का दायित्व उसे संभालने का होना चाहिए। आए दिन ऐसी खबरें प्रमुखता से छपती हैं कि निजी स्कूल ऊंचे दामों की किताबें और मोटी रकम फीस के तौर पर अभिभावकों से मांग कर रहे हैं।वर्षों से शिक्षाविद इसकी मांग कर रहे हैं कि पाठ्यक्रम चाहे बच्चों का हो या ऊंची कक्षाओं में एकरूपता होनी चाहिए। कहने का आशय यह है कि सरकारी स्कूलों के लिए पाठ्यक्रम कुछ और हो, गैर सरकारी निजी स्कूलों के लिए कुछ और। जबकि इसमें एकरूपता परम आवश्यक है। पिछले दिनों मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने इस पर सख्ती दिखाई थी। शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू होने के बाद निजी विद्यालय द्वारा फीस वृद्धि नियंत्रित करने के लिए अनुशंसाएं करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया था। तब राज्य सरकार द्वारा राजस्थान विद्यालय (फीस का विनिमेय) अधिनियम, 2016 एवं नियम 2017 निर्धारित कर लागू किए गए। इस अधिनियम में प्रत्येक विद्यालय में माता-पिता अध्यापक संगम की स्थापना करने और इस संगम की देखरेख में विद्यालय स्तरीय फीस समिति का गठन करने का प्रावधान किया गया है।हालांकि निजी विद्यालय इस समिति के जरिए फीस वृद्धि करते हैं, लेकिन शासन और विभागीय अधिकारियों के स्तर से सूक्ष्म निगरानी और नियंत्रण नहीं होने के कारण इन समितियों के नाम पर विद्यालय द्वारा लीपापोती कर शुल्क वृद्धि कर लेने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। नियम और व्यवस्था के नाम पर महज लीपापोती न होकर आवश्यकता इस बात की है कि शासन का प्रत्येक स्तर पर ह्याफ्रेंड फिलास्फर गाइडह्ल यानी मित्र-दार्शनिक सिद्धांत के अनुसार विद्यालयों पर प्रभावी नियंत्रण हो। ऐसे वातावरण के निर्माण की आवश्यकता है, जिसमें विद्यालय शिक्षा का कार्य एक पुनीत, सामाजिक दायित्व और अपना स्वयं का कार्य मानकर पूर्ण प्रतिबद्धता तथा ईमानदारी के साथ निर्वहन करें। वर्तमान में इस सिद्धांत के अनुसार काम कम ही हो रहा लगता है। ऐसा लगता है कि निजी स्कूलों को अपना पाठ्यक्रम निर्धारण करने और मनमानी फीस वसूलने का अधिकार दे दिया गया है।शिक्षा का सार्वजनिकीकरण और निजी क्षेत्र की भागीदारी जरूरी हो सकती है, लेकिन बच्चों को क्या परोसा जा रहा है, उसकी पड़ताल सरकार की जिम्मेदारी होनी चाहिए। वर्तमान में निजी क्षेत्र को सहायक सामग्री के रूप में पाठ्यक्रम लागू करने और बोर्ड के अतिरिक्त सभी तरीके के परीक्षा-पत्र अपने स्तर पर तैयार करने का अधिकार देने से शिक्षा की एकरूपता समाप्त हो रही है, वहीं शिक्षा बेलगाम तरीके से महंगी और बाजार आधारित होती जा रही है।राज्य और केंद्र सरकार से मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के निर्धारित पाठ्यक्रम के साथ-साथ हर विषय के साथ एक सहायक सामग्री की पुस्तक लगाने की छूट देना शिक्षा को महंगी करने की राह तैयार करेगा। जिस प्रकार वस्तुओं के मूल्य निर्धारण का अधिकार सरकार ने अपने पास नहीं रखा, ठीक उसी प्रकार शिक्षा तंत्र की फीस और पाठ्यक्रम निर्धारण का कार्य सरकार ने बाजार के हवाले कर दिया। माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में जिस प्रकार केंद्रीय और राज्य बोर्ड का पाठ्यक्रम लागू होता है, ऐसे में पाठ्यक्रम और परीक्षा-पत्रों की समानता बनी रहती है। नई शिक्षा नीति में बोर्ड की अवधारणा तो लगभग समाप्त किया जाना है, जिसके परिणाम भविष्य के गर्भ में हैं। सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए कि निजी शिक्षण संस्थानों का पाठ्यक्रम सरकारी पाठ्यक्रम से अलहदा न हो। नर्सरी से आठवीं कक्षा तक पाठ्यक्रम निर्धारण सरकार को करना चाहिए और सहायक शिक्षण सामग्री की छूट पर पाबंदी लगाना चाहिए। इससे निजी शिक्षण संस्थाओं के बेजा पाठ्यक्रम पर लगाम लगेगी। अभिभावकों पर पाठ्यक्रम के नाम पर महंगी किताबों पर अपने आप ही अंकुश लगेगा। उच्च पेशेवर शिक्षा में चिकित्सा, इंजीनियरिंग का एक ही पाठ्यक्रम होता है, एक ही परीक्षा होती है और उसकी फीस भी सरकार निर्धारित करती है। इसी प्रकार प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में भी एक पाठ्यक्रम और एक फीस का निर्धारण सरकारी स्तर पर किया जाना चाहिए, तभी मोटी फीस और महंगे पाठ्यक्रम से निजात मिलेगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी के अध्यक्ष रहे देश के ख्यातनाम वैज्ञानिक और शिक्षाविद प्रोफेसर यश पाल की अध्यक्षता में गठित कमेटी (1992) की रपट ह्यलर्निंग विदाउट बर्डनह्ल में वर्णित अनुशंसाओं को नए सिरे से विश्लेषित कर उस पर अमल की आवश्यकता है।

भारतीय संदर्भ में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट की उपयोगिता

संजीव ठाकुर

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है। अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे हो चुकें हैं पर अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर सिमटे न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है और आश्चर्यजनक रूप से यूएई ,सऊदीअरबिया, कतर, मिस्त्र ,जॉर्डन, मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट के भारतीय संदर्भ में जहां जनसंख्या 141 करोड़ हो चुकी है और बड़ी संख्या में युवा बेरोजगार है ज्यादा प्रयोग से लोगों की नौकरियां जाने का बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता है। यह बात दुनिया के बड़े अरबपति कारोबारी टेस्ला और एक्स के कारोबारी एलन मस्क ने स्टार्टअप के एक कार्यक्रम में फ्रांस में महत्वपूर्ण अंदाज में कहीं, भविष्य के लिए यह बात एकदम सटीक एवं सार्थक है।एक अन्य अरबपति कारोबारी इयान बैंक्स ने भी इस पर गंभीर चिंता जताई है। यह बात सभी विकासशील देशों के लिए भी लागू हो सकती है। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नफ्ज पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पल्स रेट द्वारा आपके मन की हर बात जानने में सक्षम हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है।इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर मिसाइल दागने में यूक्रेन यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है और अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है वैसे तो यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे हैंविकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं. खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्त्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34% बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं। खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकें यूं एई पहला देश है जिसने 2017 ने इस तकनीक को अपनाया था इसके बाद खाड़ी के देशों में अब टेक्नोलॉजी को अपनाने में होड़ हो गई है यह सभी देश एआई टेक्नोलॉजी पर लगभग 3 अरब डॉलर खर्च कर चुके हैं

मैं झगड़े अलग रखने को तैयार हूं, लेकिन मेरी एक ही शर्त है... राज ठाकरे के प्रपोजल पर क्या बोले उद्धव?

- उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के हित पर जोर दिया
- राज ठाकरे के साथ गठबंधन के लिए रखीं शर्तें
- मराठी भाषा को अनिवार्य करने की बात की

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई: शिव सेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे भारतीय कामगार सेना की वार्षिक बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कामगार सेना की प्रशंसा करते हुए कहा कि कोई काम शुरू करना आसान हो सकता है। लेकिन 57 साल की उम्र में भी उसे जारी रखना कठिन है। इस बैठक में बोलते हुए उद्धव ठाकरे ने राज ठाकरे के साथ आने के लिए कुछ शर्तें रखीं।उद्धव ठाकरे ने क्या कहा ?राज ठाकरे ने कहा, 'मैं मराठी और महाराष्ट्र के हित के लिए छोटे-मोटे विवादों को भी दरकिनार करने के लिए तैयार हूं। लेकिन मेरी एक शर्त है।लोकसभा में हम कह रहे थे कि महाराष्ट्र से सभी उद्योग गुजरात ले जाए जा रहे हैं। अगर हमने उस समय इसका विरोध किया होता तो वहां सरकार नहीं बनती। राज्य में ऐसी सरकार होनी चाहिए जो महाराष्ट्र के हितों के बारे में सोचे। पहले समर्थन करना, अब विरोध करना और फिर समझौता करना, यह काम नहीं करेगा। यह तय करें कि महाराष्ट्र के हितों के रास्ते में आने वाले किसी भी व्यक्ति का मैं स्वागत नहीं करूंगा, मैं उनके साथ नहीं बैठूंगा। फिर महाराष्ट्र के हित में काम करें।'उद्धव ने क्या रखा शर्त ?उद्धव ने आगे कहा कि हमने अपने मतभेद सुलझा लिए हैं, लेकिन पहले यह तय कर लें कि किसके साथ जाना है।

'महाराष्ट्र में मराठी कंपलसरी', हिंदी विवादे के बीच बोले फडणवीस, दूसरी भाषाएं भी सीखनी चाहिए

> मनसे प्रमुख राज ठाकरे के बाद शिवसेना-यूबीटी सांसद संजय राउत ने इस कदम का विरोध किया है। राउत ने कहा कि मराठी राज्य की भाषा है और यहां हिंदी पढ़ाने की कोई जरूरत नहीं है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, महाराष्ट्र के स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के तौर पर शामिल किए जाने पर विवाद जारी है। इस बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में मराठी भाषा अनिवार्य है, इसे सभी को सीखना चाहिए। इसके साथ ही अगर आप दूसरी भाषाएं सीखना चाहते हैं तो सीख सकते हैं। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि हिंदी का विरोध और अंग्रेजी को बढ़ावा देना आश्चर्यजनक है। अगर कोई मराठी का विरोध करता है तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।महाराष्ट्र के स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के तौर पर शामिल किए जाने पर एनसीपी (एससीपी) सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि मैंने पहले भी कहा है कि यह फैसला जल्दबाजी में लिया गया है। उन्होंने कहा कि मराठी महाराष्ट्र की आत्मा है और यह नंबर वन बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बहुत काम करना है और मराठी भाषा को पहली भाषा होना चाहिए।मुझे लगता है कि यह कदम हमारे एसएससी बोर्ड को खत्म करने की साजिश है।मनसे प्रमुख राज ठाकरे के बाद शिवसेना-यूबीटी सांसद संजय राउत ने इस कदम का विरोध किया है। राउत ने कहा कि मराठी राज्य की भाषा है और यहां हिंदी पढ़ाने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि फडणवीस राजनीति करना चाहते हैं। मराठी यहां राज्य की भाषा है। सबसे पहले मराठी को अनिवार्य बनाएं। रोजगार, उद्योग और वाणिज्य में मराठी भाषा का सम्मान किया जाना चाहिए। संजय राउत ने महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस पर भाषा का राजनीतिकरण करने का भी आरोप लगाया। राउत ने तर्क दिया कि हिंदी फिल्म उद्योग मुंबई में केंद्रित है। उन्होंने कहा कि हम सभी हिंदी गाने गाते हैं और हिंदी फिल्में देखते हैं। फिर भी आप हमें हिंदी थोपने और सिखाने की कोशिश कर रहे हैं। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश या पूर्वोत्तर जैसे राज्यों को हिंदी की जरूरत है। वहां हिंदी को अनिवार्य बनाएं। महाराष्ट्र में सबसे पहले मराठी बोली जानी चाहिए। उन्होंने भाजपा नेताओं पर मराठी भाषा की अनदेखी करने का आरोप लगाया। राउत ने पूछा, घाटकोपर की भाषा गुजराती है, यह कहने वाले भाजपा नेता के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई? मराठी को महाराष्ट्र के हर स्कूल में अनिवार्य किया जाना चाहिए, न कि केवल कागजों पर। इसे जमीनी स्तर पर लागू किया जाना चाहिए। राउत ने कहा कि हिंदी को पूरे देश में पसंद किया जाता है और बोला जाता है, लेकिन इसे स्कूली पाठ्यक्रम में नहीं थोपा जाना चाहिए।

फास्ट ट्रैक

पश्चिम रेलवे उधना और सूबेदारगंज के बीच चलाएगी समर स्पेशल ट्रेन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष रूप से ग्रीष्मकाल के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से उधना और सूबेदारगंज के बीच विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस स्पेशल ट्रेन का विवरण निम्नानुसार है:ट्रेन संख्या 04156/04155 उधना-सूबेदारगंज साप्ताहिक स्पेशल [22 फेरे]ट्रेन संख्या 04156 उधना-सूबेदारगंज स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को उधना से 16.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 21.00 बजे सूबेदारगंज पहुंचेगी। यह ट्रेन 22 अप्रैल से 01 जुलाई, 2025 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 04155 सूबेदारगंज-उधना स्पेशल प्रत्येक सोमवार को सूबेदारगंज से 11.40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.30 बजे उधना पहुंचेगी। यह ट्रेन 21 अप्रैल से 30 जून, 2025 तक चलेगी।यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, नंदुरबार, अमलनेर, भुसावल, इटारसी, रानी कमलापति, बीना, ललितपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ओराई, पुखरायां, गोविंदपुरी और फतेहपुर स्टेशनों पर रुकेगी।इस ट्रेन में एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास के कोच होंगे।ट्रेन संख्या 04156 की बुकिंग 20 अप्रैल, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

हिंदी से कोई परहेज नहीं, लेकिन इसे जबरन क्यों थोपा जा रहा है? भाषा विवाद पर बोले उद्धव ठाकरे

- ठाकरे की यह प्रतिक्रिया महाराष्ट्र सरकार के उस फैसले की विपक्ष द्वारा आलोचना के बीच आई है, जिसमें मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाने का फैसला किया गया है। इससे पहले दो भाषाओं के अध्ययन की व्यवस्था थी।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र में हिंदी को अनिवार्य बनाने का विरोध करेगी। राज्य सरकार ने कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों के लिए हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा के रूप में शामिल करने का निर्णय लिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम महाराष्ट्र में हिंदी को अनिवार्य नहीं बनने देंगे। उन्होंने कहा कि हमें हिंदी से कोई परहेज नहीं है, लेकिन इसे जबरन क्यों थोपा जा रहा है? शिवसेना (यूबीटी) की श्रमिक शाखा, भारतीय कामगार सेना के एक कार्यक्रम में बोलते हुए ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी को हिंदी भाषा से कोई समस्या नहीं है, लेकिन उन्होंने सवाल उठाया कि इसे क्यों थोपा जा रहा है। ठाकरे की यह प्रतिक्रिया महाराष्ट्र सरकार के उस फैसले की विपक्ष द्वारा आलोचना के बीच आई है, जिसमें मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाने का फैसला किया गया है। इससे पहले दो भाषाओं के अध्ययन की व्यवस्था थी।इस बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में मराठी भाषा अनिवार्य है, इसे सभी को सीखना चाहिए। इसके साथ ही अगर आप दूसरी भाषाएं सीखना चाहते हैं तो सीख सकते हैं। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि हिंदी का विरोध और अंग्रेजी को बढ़ावा देना आश्चर्यजनक है। अगर कोई मराठी का विरोध करता है तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। महाराष्ट्र के स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के तौर पर शामिल किए जाने पर एनसीपी (एससीपी) सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि मैंने पहले भी कहा है कि यह फैसला जल्दबाजी में लिया गया है।

उन्होंने कहा कि मराठी महाराष्ट्र की आत्मा है और यह नंबर वन बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बहुत काम करना है और मराठी भाषा को पहली भाषा होना चाहिए।

25000 साल पहले विलुप्त हो चुके हाथी के जीवाश्म चंद्रपुर में मिले, पाषाण युग से लिंक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

महाराष्ट्र में एक बड़ी खोज हुई है। यहां विलुप्त हो चुके स्टेगोडोन गणेश के जीवाश्म मिले हैं। माना जाता है कि ये हाथी आज के एशियाई हाथियों के पूर्वज थे। चंद्रपुर के भूविज्ञानी और शोधकर्ता प्रो. सुरेश चोपणे ने ये जीवाश्म ढूंढे हैं।स्टेगोडोन गणेश के जीवाश्म वर्धा और पेंगांगा नदी के किनारे चंद्रपुर तालुका में मिले हैं। चंद्रपुर तालुका महाराष्ट्र में पड़ता है। इस खोज से भारत और दुनिया के इतिहास को जानने में मदद मिलेगी। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये जीवाश्म 25,000 साल पुराने हैं।ये लेट प्लीस्टोसिन काल के हैं।स्टेगोडोन गणेश के जीवाश्म खोजने वाले प्रो. सुरेश चोपणे ने बताया कि वह 2019 से विदर्भ में जीवाश्मों की खोज कर रहे हैं। उन्हें पहला जीवाश्म 2020-21 में कोविड लॉकडाउन के दौरान मिला था। यह वर्धा और पेंगांगा नदी के संगम के पास मिला था। इसके बाद 2021-22 में वरोरा तालुका में खोज की गई। वहां एलिफस नामाडिकस नामक एक और विलुप्त प्रजाति के हाथी के अवशेष मिले।प्रो.सुरेश चोपणे की खोज की पुष्टि के लिए सैंपल नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर भेजे गए। आखिर छह साल की मेहनत रंग लाई। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जीवाश्म विज्ञानियों ने उनकी खोज को सही बताया है। प्रो. चोपणे ने कहा कि ये महाराष्ट्र में पाए जाने वाले स्टेगोडोन हाथी के पहले जीवाश्म हैं।प्रो. सुरेश ने कहा कि यह उस समय के जानवरों को समझने के लिए बहुत जरूरी हैं। हमें जीवाश्मों के साथ पाषाण युग के उपकरण भी मिले हैं। इससे पता चलता है कि शुरूआती इंसान इन विशालकाय हाथियों के साथ रहते थे और शायद उनका शिकार भी करते थे। वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. अविनाश नंदा के अनुसार, दांतों के सबूत बताते हैं कि ये जीवाश्म स्टेगोडोन गणेश के हैं। ये हाथी 23,000 से 26,000 साल पहले विलुप्त हो गए थे।जीवाश्म अवशेषों में जांघ की बड़ी हड्डियां, दाढ़ के दांत, पसलियों के टुकड़े, खोपड़ी का एक हिस्सा और एक आंशिक हाथी दांत शामिल है। हालांकि, पूरे हाथी दांत अभी तक नहीं मिले हैं। प्रो. चोपणे का मानना है कि आगे खुदाई करने पर और भी जीवाश्म मिल सकते हैं। उन्होंने कहा कि कई सालों से नदी में बाढ़ आने के कारण कई जीवाश्म बह गए होंगे, लेकिन कई अभी भी मिट्टी में दबे हुए हैं।

पश्चिम रेलवे मुंबई सेंट्रल राजकोट के बीच चलाएगी सुपरफास्ट तेजस स्पेशल ट्रेन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा स्पेशल रूप से ग्रीष्मकाल के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से मुंबई सेंट्रल और राजकोट स्टेशनों के बीच विशेष किराये पर सुपरफास्ट तेजस स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है।पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस स्पेशल ट्रेन का विवरण निम्नानुसार हैः-

ट्रेन संख्या 09005/09006 मुंबई सेंट्रल झ राजकोट सुपरफास्ट स्पेशल [34 फेरे]

ट्रेन संख्या 09005 मुंबई सेंट्रल राजकोट स्पेशल प्रत्येक सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को मुंबई सेंट्रल से 23.20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11.45 बजे राजकोट पहुंचेगी। यह ट्रेन 21 अप्रैल से 28 मई, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09006 राजकोट झ मुंबई सेंट्रल स्पेशल प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार को राजकोट से 18.30 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 07.30 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन 22 अप्रैल से 29 मई, 2025 तक चलेगी।यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरिवली, वापी, सूरत, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद, विरमगाम, सुरेन्द्रनगर एवं वांकानेर स्टेशनों पर रुकेगी।इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर एवं एसी 3-टियर कोच होंगे।ट्रेन संख्या 09005 एवं 09006 की बुकिंग सभी पी.आर.एस. काउंटरों एवं आई.आर.सी.टी.सी. वेबसाइट पर शुरू है। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.inपर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

बिलिमोरा और अमलसाड स्टेशनों के बीच ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, मुंबई सेंट्रल मंडल के बिलिमोरा और अमलसाड स्टेशनों के बीच पुल संख्या 372 पर पीएससी स्लैब लॉन्च करने के लिए मंगलवार एवं बुधवार, 22 और 23 अप्रैल, 2025 को ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक अप एवं डाउन मेन लाइनों पर लिये जाएंगे, जिसके कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित होंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 22 और 23 अप्रैल, 2025 को प्रभावित होने वाली ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः-

22 अप्रैल, 2025 को रिशेड्यूल/रेगुलेट होने वाली ट्रेनेंः-

1. 21 अप्रैल, 2025 की ट्रेन संख्या 22195 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसीझबांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट एक्सप्रेस 03 घंटे 30 मिनट रिशेड्यूल होगी।
2. 22 अप्रैल, 2025 की ट्रेन संख्या 20968 पोरबंदरझसिकंदराबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस 02 घंटे 30 मिनट रिशेड्यूल होगी।
3. 21 अप्रैल, 2025 की ट्रेन संख्या 19016 पोरबंदर दादर एक्सप्रेस 02 घंटे रिशेड्यूल होगी।
4. ट्रेन संख्या 09056 उधना बांद्रा टर्मिनस स्पेशल 30 मिनट रेगुलेट होगी।

23 अप्रैल, 2025 को रेगुलेट होने वाली ट्रेनेंः-

1. ट्रेन संख्या 19015 दादर-पोरबंदर एक्सप्रेस 01 घंटा रेगुलेट होगी।
2. ट्रेन संख्या 09075 मुंबई सेंट्रल-काठगोदाम स्पेशल 01 घंटा रेगुलेट होगी।
3. ट्रेन संख्या 09055 बांद्रा टर्मिनस-उधना स्पेशल 50 मिनट रेगुलेट होगी।
4. ट्रेन संख्या 09035 बांद्रा टर्मिनस-बीकानेर स्पेशल 01 घंटा रेगुलेट होगी।
5. ट्रेन संख्या 12925 मुंबई सेंट्रल-अमृतसर सुपरफास्ट एक्सप्रेस 20 मिनट रेगुलेट होगी।
6. ट्रेन संख्या 12216 बांद्रा टर्मिनस-दिल्ली सराय रोहिल्ला गरीब रथ 20 मिनट रेगुलेट होगी।

मुंबई एयरपोर्ट 8 मई को 6 घंटे के लिए रहेगा बंद, नहीं उड़ेंगी फ्लाइट्स

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः मुंबई एयरपोर्ट प्रशासन ने आगामी मॉनसून से पहले जरूरी मरम्मत कार्य करने के लिए 8 मई को छह घंटे के लिए विमानों की आवाजाही पूरी तरह बंद करने का निर्णय लिया है। मुंबई एयरपोर्ट प्रवक्ता के अनुसार, इस दिन सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक दोनों रनवे बंद रहेंगे और इस दौरान रनवे, ड्रेनेज सिस्टम और करीब 5,000 लाइटों की जांच और मरम्मत की जाएगी। बारिश के मौसम में विमानों का संचालन सुरक्षित और सुगम बनाए रखने के लिए यह कार्य किया जा रहा है। यात्रियों की सुविधा के लिए एयरलाइंस को छह महीने पहले ही इस बारे में बता दिया गया था। मरम्मत कार्य के पूरा होते ही उसी शाम से हवाई यातायात फिर से सामान्य हो जाएगा।एयरपोर्ट अथॉरिटी ने क्या कहा अनुसार, दोनों रनवे - 09/27 (मुख्य रनवे) और 14/32 (दूसरा रनवे) सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक बंद रहेंगे। यह मानसून से पहले की जरूरी जांच के लिए किया जा रहा है।

मध्य रेल

भुसावल मंडल

ई-निविदा सूचना

भारत के महामाहिम राष्ट्रपति हेतु सीनियर डिवीज़नल बिजली इंजीनियर (क.वि.) मध्य रेल, भुसावल द्वारा निम्न लिखित कार्य हेतु डीजीटेली हस्ताक्षरित ऑनलाइन ओपन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **टेंडर नोटिस न.: भुसावल_ईलेक्ट_टीआरडी_31_2025 दिनांक: 19.04.2025. कार्य का नाम:** ईएलएस भुसावल में नई पिट व्हील लेथ मशीन की स्थापना और कमीशिनिंग के लिए टीआरडी कार्य। **कार्य की लागत:** ₹ 37,31,713.80. **बयाना राशि:** ₹ 74,600/-. **निविदा जमा करने की अंतिम तारीख, समय: 14.05.2025** upto **15.00 hrs. अतिरिक्त जानकारी के लिए वेबसाइट का पता: www.ireps.gov.in**

AK/BSL-11

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

पश्चिम रेलवे

सिग्नलिंग कार्य

वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर (दक्षिण), द्वितीय तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400008, **ई-निविदा क्रमांक:** W420_3_297_931_2024_SG_WA, **दिनांक:** 17.04.2025 आमंत्रित करता है। **कार्य एवं स्थान:** सिग्नलिंग कार्य के संबंध में i) एमआरआईडीसीएल द्वारा किमी 8-9 पर प्रभादेवी (एल्फिंस्टन रोड - कैरोल ब्रिज) पर एक नए आरओबी का निर्माण। ii) चर्चगेट - विरार - टीटीआर (एफएस+टीडब्यूएस+डब्यूसीएमएससी) - 80 सेट, टीटीआर (सीएमएससी)-71 सेट, टीटीआर (सीएस)-49 सेट और एसईजेएस 62 नग। मुंबई मंडल पश्चिम रेलवे के चर्चगेट - विरार खंड में। लगभग। कार्य की लागत: 85,12,619.47. **ईएमडी:** 1,70,300/-. **जमा करने की तिथि और समय:** 09.05.2025, 15:00 बजे तक. खुलने की तिथि और समय: 09.05.2025 को 15:30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ

0067

facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

विभिन्न कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, छठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400008, क्रमांक: 1 आमंत्रित करता है। ई-निविदा सूचना संख्या: बीसीटी/25-26/19, **दिनांक:** 17.04.2025। **कार्य और स्थान:** (i) जोरवासन - सूरत खंड: विरार-सूरत-टीआरआर (पी) - 3.416 टीकेएम और टीएसआर (पी) -9.882 टीकेएम के संबंध में ट्रैक का रखरखाव। (ii) जोरवासन उकाई खंड: सीनियर डीईएन/सेंट्रल सेक्शन के तहत विभिन्न स्थानों पर मानसून के पानी को बाहर निकालने के लिए जज डीजल पंप प्रदान करना। कार्य की लगभग लागत: 2,56,17,621.12। **ईएमडी:** 2,78,100/-। **क्रमांक: 2.** ई-निविदा सूचना क्रमांक: BCT/25-26/20, **दिनांक:** 17.04.2025. **कार्य और स्थान:** विरार - उकाई सोंगहाद खंड: विरार से उकाई-सोंगहाद खंड के बीच ट्रैक आधारित रेल गेज फेस लुब्रिकेटर (इलेक्ट्रॉनिक प्रकार और 1 किमी तक कैरी डाउन प्रभाव) की आपूर्ति, स्थापना कमीशनिंग और संचालन (5 वर्ष)। कार्य की अनुमानित लागत: 1,92,16,458/-। ईएमडी: 2,46,100/-। **दोनों निविदाएं जमा करने की तिथि और समय:** 13.05.2025, 15:00 बजे तक। दोनों निविदाएं **खोलने की तिथि और समय:** 13.05.2025 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं।

0065

facebook.com/WesternRly

भारतीय रेल द्वारा लोको पायलटों की कार्य स्थितियों और सेफ्टी में सुधार के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए

पश्चिम रेलवे द्वारा अपने कर्मचारियों के कल्याण और सुविधा को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

भारतीय रेल द्वारा लोको पायलटों के काम करने के माहौल और कल्याण को बेहतर बनाने के लिए पिछले एक दशक में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। रेल मंत्रालय ने लोको पायलटों की सेफ्टी, आराम और कार्य-जीवन संतुलन को प्राथमिकता दी है। 2014 से पहले, रनिंग रूम और लोकोमोटिव कैब में एयर-कंडीशनिंग जैसी सुविधाएँ उपलब्ध नहीं थीं, लेकिन 2024 तक उल्लेखनीय सुधार किए गए हैं। आज भारतीय रेल के सभी 558 रनिंग रूम वातानुकूलित हैं और वे आरओ पानी, योग और ध्यान के स्थान, पढ़ने के कमरे और रियायती भोजन जैसी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हैं। इसके अलावा, 7075 लोकोमोटिव कैब को एयर-कंडीशनिंग, एर्गोनोमिक सीटिंग और अन्य सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है, जिससे लंबे समय तक काम करने वाले कर्मचारियों को थकान कम होती है।गौरतलब है कि अब सभी नए इंजनों में मानक के रूप में शौचालय की सुविधा प्रदान की जा रही है। अब 1170 इंजनों में शौचालय की सुविधा उपलब्ध है, जबकि पुराने इंजनों को भी आवश्यक अपग्रेड के साथ पुनः सुसज्जित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, व्यस्त मार्गों पर नए रनिंग रूम बनाए जा रहे हैं, जिससे कर्मचारियों के काम करने का समय कम हो गया है। इन उपायों से काम करने की स्थिति में सुधार हुआ है और कर्मचारियों को बेहतर आराम और सुविधा मिली है।सेफ्टी के मामले में भारतीय रेल ने लोको पायलटों की सेफ्टी सुनिश्चित करने के लिए 'कवच' प्रणाली, कोहरे में सुरक्षा के लिए फॉग- सेफ्टी उपकरण और ड्राइवर अलर्ट सिस्टम जैसी कई

अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाया है। 21,000 से अधिक फॉग सेफ्टी उपकरण लगाए गए हैं और सिम्युलेटर-आधारित प्रशिक्षण कर्मचारियों की निर्णय लेने की क्षमता को बेहतर बना रहा है। इसके अतिरिक्त, 'विजिलेंस कंट्रोल डिवाइस' के उपयोग ने लोको पायलटों की सेफ्टी और दक्षता में और सुधार किया है। ये तकनीकी प्रगति भारतीय रेल के समग्र सेफ्टी मानकों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।कोविड-19 के बाद भारतीय रेल ने दो प्रमुख कंप्यूटर-आधारित भर्ती परीक्षाएँ सफलतापूर्वक आयोजित कीं, जिनमें 2.37 करोड़ से अधिक उम्मीदवार शामिल हुए। परिणामस्वरूप, 51,856 सहायक लोको पायलट/लोको पायलटों सहित 1.30 लाख से अधिक उम्मीदवारों को नियुक्त किया गया। भर्ती प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए 2024 से शुरू होने वाला एक वार्षिक भर्ती कैलेंडर लागू किया गया है, जिससे समय पर परीक्षाएँ और तेज नियुक्ति प्रक्रियाएँ सुनिश्चित होती हैं। यह पहल न केवल भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुविधाजनक बनाती है बल्कि समय पर नियुक्तियाँ भी सुनिश्चित करती है, जिससे भारतीय रेल की दक्षता बढ़ती है।लोको पायलटों के काम के घंटे रेगुलेट किए गए हैं, औसत ड्यूटी घंटे 14 दिनों में 52 घंटे से अधिक नहीं होंगे। इसके अतिरिक्त माल, उपनगरीय और यात्री ट्रेनों के लिए आवश्यक ऑनबोर्ड और स्टेशन सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं, जिसमें पर्याप्त आराम का समय और बुनियादी सुविधाएं शामिल हैं। भारतीय रेल कर्मचारियों के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है, परामर्श सत्रों और परिवार-उन्मुख कार्यक्रमों के माध्यम से मनोबल बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इन पहलों के माध्यम से भारतीय रेल अपने कर्मचारियों के कल्याण और सेफ्टी के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करना जारी रखता है।इस दिशा में आगे बढ़ते हुए पश्चिम रेलवे द्वारा अपने रनिंग स्टाफ के कल्याण और आराम को बढ़ाने के लिए भी कदम उठाए गए हैं। पूरे जोन में हमारे सभी रनिंग रूम पूरी तरह से वातानुकूलित हैं। ऋररअक प्रमाणन के साथ सब्सिडी वाली कैंटीन सुविधाएं, योग और ध्यान कक्ष, वाचनालय, फूड मसाजर, स्वच्छ और स्वच्छ शौचालय, वेक अप कॉल सुविधाएं, जूता पॉलिश आदि जैसी सुविधाएं भी रनिंग रूम सुविधाओं का हिस्सा हैं।रनिंग रूम में शाकाहारी और मांसाहारी भोजन के लिए अलग-अलग रसोई, एक डाइनिंग हॉल, एक ध्यान कक्ष और मनोरंजक गतिविधियों के लिए एक पुस्तकालय है। महिला कर्मचारियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए, चयनित रनिंग रूम में समर्पित कमरे और शौचालय की सुविधा भी सुनिश्चित की जाती है। कर्मचारियों की सेफ्टी के लिए निरंतर निगरानी और सेफ्टी सुनिश्चित करने के लिए रनिंग रूम सीसीटीवी कैमरों से लैस हैं। बांद्रा टर्मिनस रनिंग रूम जैसी सुविधाओं को उनके उत्कृष्ट प्रबंधन हेतु कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। यह पश्चिम रेलवे की कर्मचारियों की सुविधा और सुरक्षा के उच्च मानकों को बनाए रखने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह सुनिश्चित करता है कि विभिन्न स्थानों पर कर्मचारियों को आधुनिक और आरामदायक सुविधाएं प्राप्त हों, जिससे उनके कार्य जीवन में संतुलन और कुशलता बनी रहे।

पश्चिम रेलवे

रुचि की अभिव्यक्ति

रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित करने की सूचना - कम उपयोग वाले स्टेशनों का वाणिज्यिक उपयोग, मुंबई सेंट्रल डिवीजन, पश्चिम रेलवे।

आमंत्रण: मुंबई सेंट्रल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल डिवीजन के भीतर कम उपयोग वाले स्टेशनों के वाणिज्यिक उपयोग के लिए फर्मों और व्यक्तियों से मुहरबंद रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित करते हैं। ईओआई दस्तावेज़: योग्यता मानदंड, जमा करने की आवश्यकताएं, उद्देश्य, कार्य का दायरा और मूल्यांकन मानदंड का विवरण देने वाला ईओआई दस्तावेज़ यहां डाउनलोड के लिए उपलब्ध है: https://wr.indianrailways.gov.in/

जमा करने की अंतिम तिथि: सीलबंद लिफाफे, जिन पर स्पष्ट रूप से 'कम उपयोग वाले स्टेशनों के वाणिज्यिक उपयोग के लिए रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई), मुंबई सेंट्रल डिवीजन, पश्चिम रेलवे' लिखा हो, उन्हें 'वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, वाणिज्यिक शाखा, मुंबई सेंट्रल डिवीजन, पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल स्टेशन, मुंबई-400008' पर निर्दिष्ट ड्रॉप बॉक्स में जमा किया जाना चाहिए। **सीलबंद ईओआई जमा करने की अंतिम तिथि** 02 मई, 2025 को 15:00 बजे (3:00 बजे) है। **अतिरिक्त जानकारी:** अतिरिक्त जानकारी के लिए, कृपया कार्य समय के दौरान विज्ञापन अनुभाग, वाणिज्यिक शाखा, डीआरएम कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, पश्चिम रेलवे, मुंबई-400008 से संपर्क करें। **अस्वीकरण:** मुंबई सेंट्रल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक या उनके नामित प्रतिनिधि, इस ईओआई को रद्द करने या संशोधन के साथ या बिना किसी दायित्व या दायित्व के और बिना कारण बताए संशोधित ईओआई जारी करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं। यहाँ दी गई जानकारी सांकेतिक है और अंतिम ईओआई में संशोधन या परिवर्धन के अधीन है।

0066

facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

निर्माण कार्य

उप मुख्य अभियंता (निर्माण) IV, पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390004, ई-निविदा आमंत्रित करते हैं सूचना संख्या: Dy.CE-C-IV-BRC/SMLA-TBA/07, **दिनांक:** 16.04.2025। कार्य का नाम: (i) 02 (दो) बड़े पुलों का निर्माण, जिनमें प्रत्येक में 30.5 मीटर का एक स्पान ओपन वेब गर्डर (वेल्डेड L™ टाइप) रोलर और रॉकर बीयरिंग के साथ, आरडीएसओ के मानक चित्रों के अनुसार सुपरस्ट्रक्चर में आरसीसी सबस्ट्रक्चर और ओपन/पाइल फाउंडेशन के साथ; (ii) 08 (आठ) छोटे पुल जिनमें पीएससी स्लैब (पोस्ट-टेंशन) हैं, (iii)आरडीएसओ के मानक चित्रों के अनुसार सुपरस्ट्रक्चर में आरसीसी सबस्ट्रक्चर और ओपन फाउंडेशन के साथ, (iv) आरसीसी नालियां (लगभग 5 किमी); (v) आरसीसी सेवा संरचना; (vi) सेवा सड़कें (लगभग 2 किमी) और (vii) अन्य संबद्ध कार्य, मौजूदा सिंचाई नहरों को क्रॉसिंग/डायवर्सन/स्थानांतरित करने के संबंध में, सरदार सरोवर नर्मदा निगम लिमिटेड (एसएसएनएनएल) से संबंधित, नैरो गेज से ब्रॉड गेज (53.53 किमी) में समलाया-टिम्बा रोड गेज परिवर्तन परियोजना के संबंध में, पश्चिमी रेलवे के वडोदरा डिवीजन में डिप्टी सीई/कॉन/IV/वडोदरा द्वारा निष्पादित किया जा रहा है। काम की **अनुमानित लागत:** 5,888.20लाख। **ईएमडी:** 30,94,200/-। बोली लगाने के लिए ऑनलाइन निविदा की उपलब्धता: से: 08.05.2025 को 11:00 बजे से **खुलने की तिथि और समय:** 22.05.2025 को 15:00 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। मैन्युअल ऑफ़र पर विचार नहीं किया जाएगा।

0062

facebook.com/WesternRly

अंबरनाथ के मोरीवली एमआईडीसी स्थित रसायन कंपनी में भीषण आग,कंपनी जलकर खाक

अगरबत्ती और परफ्यूम बनाने वाली स्पीड इंटरनेशनल इंडिया प्रायवेट लिमिटेड कंपनी में लगी आग।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. शनिवार की शाम को अंबरनाथ शहर के पश्चिम भाग में स्थित मोरीवली एम.आई.डी.सी. औद्योगिक क्षेत्र स्थित अगरबत्ती और परफ्यूम आदि निर्मित करने वाली स्पीड इंटरनेशनल इंडिया प्रायवेट लिमिटेड नामक रसायन कंपनी में भीषण आग लगने की खबर प्रकाश मे आयी है।कंपनी में लगी भीषण आग को बुझाने के लिए दमकल विभाग की 4 गाड़ियां मशक्कत कर रही हैं। आग की भयंकरता को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि कंपनी पूर्णतः जल चुकी है और बड़े आर्थिक नुकसान की खबर सामने आ रही है। जनहानि की अभी तक किसी प्रकार की खबर सामने नहीं आई है।समाचार भेजे जाने तक दमकल कर्मी आग बुझाने में लगे हुए है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त अग्निकांड शनिवार शाम पौने 7 बजे के समय घटित हुई। उक्त कंपनी में अगरबत्ती, धूपबत्ती तथा परफ्यूम बनता है। कंपनी के अंदर बॉयलर के फटने, कच्चे माल से भरें ड्रमों और सिलेंडरों के फटने से पूरे क्षेत्र में भगदड़ मच गई। आग लगने की सही जानकारी अभी प्राप्त नहीं हो पाई है। मौके पर तमाशबीनों की भारी संख्या को देखते हुए पुलिस कर्मी और अग्निशमन दल के कर्मचारी नियंत्रण बनाने की कोशिश में लगे हुए हैं।

283 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त कर मनपा ने वसूले 85 हजार रुपए जुर्माना

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

नवी मुंबई , प्रतिबंधित प्लास्टिक रोकथाम अभियान के तहत अप्रैल पखवाड़े में 85 हजार जुमार्ना वसूला गया और 283,700 किलोग्राम प्लास्टिक जब्त किया गया। प्लास्टिक रोकथाम अभियान के माध्यम से एकल उपयोग प्लास्टिक के उपयोग को रोकने के लिए, मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में नवी मुंबई महानगरपालिका की विशेष टीमें बाजारों का निरीक्षण कर रही हैं और वितरण के लिए प्लास्टिक परिवहन करने वाले वाहनों पर भी नजर रख रही हैं और कार्रवाई कर रही हैं।

उपायुक्त डॉ. कैलाश गायकवाड़ के नेतृत्व में जोन 2 के प्लास्टिक रोकथाम उड़नदस्तों द्वारा लगातार दो दिनों में ऐसी निवारक छापेमारी की गई। इसमें 17 अप्रैल को महापे एमआईडीसी क्षेत्र में 20 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक ले जा रहे एक दोपहिया वाहन के खिलाफ कार्रवाई कर उससे प्लास्टिक जब्त किया गया और 5 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया गया।5,000 रुपये की वसूली की गई। इसी प्रकार, 18 अप्रैल को जोन 2 की ही टीम ने ऐरोली टोल प्लाजा पर दोपहिया वाहन पर 60 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक ले जा रहे एक व्यक्ति से 60 किलो प्लास्टिक जब्त कर 50 हजार रुपये का जुमार्ना वसूला है। इसके अलावा 17 अप्रैल को कोपर खैरणे के सेक्टर 18 में रावराई जनरल स्टोर्स से 5 किलो प्लास्टिक बैग का स्टॉक जब्त कर 5000 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। इसी प्रकार, सेक्टर 20 ऐरोली में महेंद्र प्रजापति से 1 किलो प्लास्टिक बैग जब्त कर 500 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। अप्रैल माह के प्रथम पखवाड़े में 25 हजार रुपए का जुमार्ना वसूला गया। उपायुक्त श्री सोमनाथ पोटरे और डॉ. कैलाश गायकवाड़ के नियंत्रण में जोन 1 और जोन 2 के प्लास्टिक प्रतिबंधक उड़नदस्तों के माध्यम से 17 व्यक्तियों, व्यापारियों से 85 हजार रुपये का जुमार्ना वसूला गया है और 283 किलो 700 ग्राम प्रतिबंधक एकल-उपयोग प्लास्टिक स्टॉक जब्त किया गया है। हालांकि, विशेष रूप से एकल-उपयोग प्लास्टिक से मानव जीवन और पर्यावरण को होने वाले खतरे को देखते हुए, नवी मुंबई मनपा नागरिकों से अपील कर रहा है कि वे स्वेच्छा से प्लास्टिक बैग के उपयोग को पूरी तरह से छोड़ दें और कपड़े, कागज के बैग का उपयोग करें। इसी प्रकार, व्यापारियों को भी अपना सामान पहुंचाने के लिए प्लास्टिक की थैलियां देने से बचना चाहिए तथा अपनी दुकानों में प्लास्टिक की थैलियां नहीं रखनी चाहिए।

फास्ट ट्रैक

महिला सुरक्षा को लेकर कांग्रेस का विरोध

शाहजहांपुर में कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन, सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा बढ़ाने की मांग

शाहजहांपुर, महिला कांग्रेस कमेटी ने महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। पदाधिकारियों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि शहर में महिलाओं और नाबालिगों के खिलाफ आपराधिक घटनाएं बढ़ी हैं। कमेटी ने शहर के प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है। इनमें बस स्टॉप, रेलवे स्टेशन, बाजार और पार्क शामिल हैं। उन्होंने सुरक्षाकर्मियों की संख्या बढ़ाने और उन्हें विशेष प्रशिक्षण देने पर जोर दिया। प्रकाश की व्यवस्था की जाए पदाधिकारियों ने सार्वजनिक स्थानों पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था की मांग की। साथ ही शहर में सीसीटीवी कैमरे लगाने की भी मांग रखी। महिलाओं से जुड़ी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई और हेल्पलाइन नंबरों का व्यापक प्रचार करने की बात कही। जिला प्रशासन ने महिला सुरक्षा से जुड़ी इन समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया है। प्रशासन ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर उठाए गए सभी मुद्दों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।

धन गुरू नानक दरबार डेरा संत बाबा थाहीरिया सिंह साहिब में निरंतर 40 दिनों तक निःशुल्क मेडिकल कैंप का होगा आयोजन

भाईसाहब मेहरबान सिंह साहिब जी के जन्मदिन के उपलक्ष में 20 अप्रैल से 01 जून तक चलेगा मेडिकल कैंप।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर. उल्हासनगर कैंप क्रमांक 3 स्थित धन गुरू नानक दरबार डेरा संत थाहीरिया सिंह साहिब और आदि अम्मा ग्रुप गुरुनानक जी के आशीर्वचन दान देना और दूसरों की सेवा करना ही सच्ची पूजा है से प्रेरणा लेकर निरंतर जनसेवा में लगा हुआ है। दरबार आए दिन संगत और दरिद्र नारायण की सेवा के हितार्थ कार्यक्रमों को आयोजित करता रहता है। इस बार दरबार की तरफ से भाईसाहब मेहरबान सिंह साहिब जी के जन्मदिन के उपलक्ष में 20 अप्रैल से 01 जून तक निरंतर चालीस दिनों तक धन गुरू नानकशाह चैरिटेबल क्लिनिक के माध्यम से एक निःशुल्क मेडिकल कैंप (दवाइयों का लंगर) का आयोजन किया जा रहा है। इस मेडिकल कैंप का उद्देश्य संगत के लोगों और दरिद्र नारायण की सेवा करना है और उनके विभिन्न रोगों का निःशुल्क इलाज करना है। इस निशुल्क मेडिकल कैंप के माध्यम से रोगों का इलाज और विभिन्न रोगों के प्रति जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। मेडिकल कैंप प्रतिदिन सायंकाल 04 बजे से 06 बजे तक चलेगा। दरबार की तरफ से मेडिकल कैंप के प्रारंभिक दस दिनों की डॉक्टरों की लिस्ट जारी की गई है। इस सूची के अनुसार 20 अप्रैल को डॉ.अशोक शाह (नेफरो), 27 अप्रैल डॉ.वंदना रायसिंघानी (गायनेकोलॉजिस्ट), 28 अप्रैल डॉ.राज इसरानी (आयुर्वेदिक), 29 अप्रैल डॉ.रिया रोचलानी (डाइट) निशुल्क इलाज और मार्गदर्शन करेंगे।दरबार के कार्यों में पूर्णरूप से सक्रियता दिखाने वाले दरबार प्रमुख भाईसाहब त्रिलोचन सिंह साहब (टिल्लू भाईसाहब) ने बताया कि उक्त मेडिकल कैंप भाईसाहब जसकीरत सिंह साहब जी के मार्गदर्शन में भाईसाहब मेहरबान सिंह साहब जी के जन्मदिन के उपलक्ष में आयोजित किया जा रहा है। प्रारंभिक दस दिनों के डॉक्टरों की लिस्ट जारी कर दी गई है शेष लिस्ट आगे समय पर जारी कर दी जाएगी। दरबार की तरफ से सभी संगत के लोगों और इच्छुक लोगों से आह्वान किया जाता है कि इस निशुल्क मेडिकल कैंप का लाभ उठाया और इस मेडिकल कैंप को सफल बनाने में सहयोग करें।

दूसेजा(ऑर्थो), 21 अप्रैल को डॉ.सागर माखीजा (त्वचा रोग), 22 अप्रैल को डॉ.गुंजन डोडवानी (सर्जन), 23 अप्रैल को डॉ.राजेश कुकरेजा(चेस्ट), 24 अप्रैल को डॉ.दिवेश गंगारमानी (मनोचिकित्सक), 25 अप्रैल डॉ.नितोन सचदेव (ओपथल), 26 अप्रैल डॉ.हार्दिक

बंगाल हिंसा पर रायबरेली में विरोध

- विहिप और भाजपा समर्थकों ने राष्ट्रपति शासन की मांग की, डीएम को सौंपा ज्ञापन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

रायबरेली, कलेक्ट्रेट परिसर में पश्चिम बंगाल की हिंसा को लेकर विश्व हिंदू परिषद और भाजपा समर्थित संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने वहां हो रही हिंसा और मंदिरों की तोड़फोड़ का विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि ममता बनर्जी के भड़काऊ भाषण के बाद दंगे भड़के हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बंगाल में हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। मंदिरों और मूर्तियों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने राष्ट्रपति से बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की है।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इससे दंगों पर नियंत्रण किया जा सकेगा और हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को रोका जा सकेगा।

दहेज में बाइक और एक लाख की मांग

पति और ससुराल वालों ने महिला को घर से निकाला, एफआईआर दर्ज

शाहजहांपुर, दहेज प्रताड़ना का एक मामला सामने आया है। थाना कांट क्षेत्र की एक महिला ने पति और ससुराल वालों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। महिला की शादी चार साल पहले थाना जलालाबाद क्षेत्र के एक युवक से हुई थी। शादी में पिता ने अपनी हैसियत के अनुसार दहेज दिया था। विदाई के बाद से पति और ससुराल वाले बाइक और एक लाख रुपये की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने पर आरोपी पति और ससुराल वाले महिला के साथ मारपीट करते थे। एक बार उन्होंने महिला को घर से निकाल दिया। महिला ने अपनी मां को फोन कर सूचना दी। मां के समझाने पर पति ने उसे वापस घर में रख लिया। लेकिन प्रताड़ना जारी रही। 29 जनवरी को पति और ससुराल वालों ने फिर दहेज की मांग की। मांग पूरी न होने पर महिला को घर से निकाल दिया। तब से वह अपने मायके में रह रही है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पति की संदिग्ध हालात में मौत

- पत्नी और ससुरालियों पर मारपीट का आरोप, बरेली ले जाते वक्त तोड़ा दम

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, थाना रोजा क्षेत्र में एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक प्रदीप (30) पैतापुर गांव का रहने वाला था। उसकी शादी 13 साल पहले हरदोई के भूड़ खेड़ा गांव में हुई थी। दंपति के तीन बच्चे हैं। मृतक के भाई श्रवण के अनुसार, गुरुवार को प्रदीप और उसकी पत्नी के बीच विवाद हुआ। दोनों में मारपीट भी हुई। शुक्रवार को पत्नी ने अपने मायके वालों को बुला लिया। आरोप है कि ससुराल वालों ने प्रदीप के साथ बेरहमी से मारपीट की। इस दौरान प्रदीप के शरीर पर कई चोटें आईं। शाम को जब परिवार वाले घर पहुंचे, तो प्रदीप कमरे में बेहोश मिला। उसे तुरंत शहर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर राजकीय मेडिकल कॉलेज और फिर बरेली रेफर कर दिया गया। बरेली ले जाते समय रास्ते में ही प्रदीप की मौत हो गई। थाना प्रभारी राजीव रंजन ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा और उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बस ने बाइक को मारी टक्कर

युवक की मौत, पत्नी गई थी मायके, लेने जाते समय हादसा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक दर्दनाक सड़क हादसे में 27 वर्षीय युवक की मौत हो गई। थाना निगोही क्षेत्र के सतवां खुर्द गांव निवासी दिनेश पाल अपनी पत्नी को लेने ससुराल जा रहे थे। हादसा थाना आरसी मिशन क्षेत्र के उदौपारा गांव के पास चांदापुर रोड पर हुआ। एक प्राइवेट बस ने दिनेश की बाइक को टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों ने गंभीर रूप से घायल दिनेश को राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सुबह मायके गई थी पत्नी दिनेश की पत्नी पिंकी शुक्रवार की सुबह अपने मायके गई थीं। उन्हें लेने के लिए दिनेश शाम को ससुराल जा रहे थे। दिनेश की ससुराल थाना सेहरामऊ दक्षिणी क्षेत्र के कहला गांव में है। पुलिस ने हादसे की सूचना परिजनों को दी। मौके पर पहुंचे परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर

परिवार ने अंतिम संस्कार से किया इनकार

पत्नी और ससुराल वालों पर हत्या का आरोप, आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, खुटार थाना क्षेत्र में एक संदिग्ध मामला सामने आया है। बुझिया गांव के 45 वर्षीय धनेश वर्मा का शव शुक्रवार सुबह उनके कमरे में फांसी के फंदे पर लटका मिला। मृतक की दूसरी पत्नी प्रीति वर्मा ने स्थानीय लोगों और पुलिस को घटना की सूचना दी। धनेश की पहली पत्नी की सड़क हादसे में मौत हो चुकी थी, जिसके बाद उन्होंने लखीमपुर की रहने वाली प्रीति से दूसरी शादी की थी। परिवार ने दूसरी पत्नी और ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि घटना से एक दिन पहले आरोपियों ने धनेश के साथ मारपीट की थी। एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें कथित तौर पर धनेश की पत्नी उन्हें कपड़े पकड़कर खींचती और धमकाती दिख रही है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया। परिवार का आरोप है कि धनेश की हत्या करने के बाद शव को फंदे पर लटकाया गया है। पुलिस की कार्रवाई से नाराज परिवार ने अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया है। सीओ पुवायां निष्ठा उपाध्याय के अनुसार मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है और परिवार को समझाने का प्रयास कर रही है।

एडीएम ने मकान से जब्त किया 2720 कुंटल अवैध गेहूं

शाहजहांपुर में मकान मालिक के पास आवश्यक दस्तावेज नहीं, 2 लाख 75 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एडीएम एफआर अरविंद कुमार ने बड़ी कार्रवाई की है। शनिवार को मिली सूचना पर ग्राम पचदेवरा, तहसील तिलहर में द्वारिका प्रसाद के मकान पर छापा मारा। यहां से 2720 कुंटल अवैध रूप से भंडारित गेहूं बरामद हुआ। मकान मालिक के पास मंडी रजिस्ट्रेशन, 6-आर, 9-आर जैसे आवश्यक दस्तावेज नहीं मिले। इस पर एडीएम ने 2 लाख 75 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया। इसी दौरान एडीएम ने निगोही क्षेत्र में 6 व्यापारिक प्रतिष्ठानों की जांच की। इनमें रामकुमार गुप्ता, मिश्रा ट्रेडिंग कंपनी, साई राम ट्रेडिंग कंपनी, गणेश ट्रेडिंग, मुन्ना सिंह एंड कंपनी और देव ट्रेड कंपनी शामिल हैं। इन सभी से करीब 5000 कुंटल गेहूं की खरीद पीसीएफ, आरएफसी और यूपीएसएस के सरकारी गोदामों में कराई गई। एडीएम अरविंद कुमार ने कहा कि अवैध कार्यों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी एडीएम ने कई सराहनीय कदम उठाए हैं। उन्होंने रात में ओवरलोड डंपर और अवैध खनन को पकड़ा। एक गांव में स्कूल में कम उपस्थिति देखकर खुद घर-घर जाकर बच्चों को सरकारी वाहन से स्कूल लाए और उनका एडमिशन कराया।

16718 ग्राम पंचायतों में 5-5 ब्रॉडबैंड कनेक्शन लगाने का लक्ष्य

बीएसएनएल की ग्रामीण कनेक्टिविटी पर बैठक, सांसद बोले-गांव-गांव पहुंचे कनेक्शन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता स्थानीय सांसद अरुण सागर ने की। इसमें दूरसंचार विभाग के महाप्रबंधक कृष्ण मोहन श्रीवास्तव समेत छह जिलों के टीडीएम और टीएसी सदस्य मौजूद रहे। बैठक में सांसद ने दूरसंचार विभाग की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि सीतापुर, लखीमपुर, शाहजहांपुर, हरदोई और बहराइच में विभाग के विभिन्न पद सृजित किए गए हैं। मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी सेवा 2011 से शुरू हुई और 2015 से यह पूरे भारत में निःशुल्क उपलब्ध है। सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के लिए भारत ब्रॉडबैंड निगम लिमिटेड की स्थापना की है। उत्तर प्रदेश पूर्वी परिमंडल में यह कार्य बीएसएनएल द्वारा किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश विशेष सहायता योजना के तहत, राज्य सरकार ने 16,718 ग्राम पंचायतों में प्रत्येक में पांच ब्रॉडबैंड कनेक्शन स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। सांसद ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जल्द से जल्द अधूरे कार्यों को पूरा करें। साथ ही उन्होंने सभी जिलों के प्रतिनिधियों से सुझाव लेकर विभागीय समस्याओं के त्वरित समाधान पर जोर दिया।

पत्नी के भागने के बाद भी ससुराल में था पति

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक आकाश (27) लखीमपुर के थाना उचौलिया क्षेत्र का रहने वाला था। उसकी शादी 6 साल पहले थाना सिंधौली क्षेत्र के महुआ पाठक में हुई थी। नोएडा में काम करने वाला आकाश पिछले 5 महीने से अपनी ससुराल में रह रहा था। दो महीने पहले उसकी पत्नी किसी अन्य युवक के साथ भाग गई। इसके बावजूद आकाश ससुराल में ही रहा। दो दिन पहले उसकी पत्नी वापस लौटी। मृतक के भाई का आरोप है कि पत्नी के लौटने के बाद ससुराल वालों ने आकाश के साथ मारपीट की और जहर खिला दिया। आकाश गंभीर हालत में अपने घर लखीमपुर पहुंचा। परिजन उसे पहले पसगवां सीएचसी ले गए। हालत बिगड़ने पर राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

गाजा पर इजराइली हमले में 90 की मौत

गाजा में अबतक 61 हजार से ज्यादा मौतें; यूएन बोला- हजारों के भूखे मरने का खतरा

एजेंसी

गाजा, गाजा में शुक्रवार सुबह इजराइली एयरस्ट्राइक में अब तक 90 लोगों की मौत हो गई, जबकि सैकड़ों घायल हैं। जैसे-जैसे मलबा हटाया जा रहा है, मरने वालों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। गाजा सरकार के मुताबिक बीते 18 महीने की लड़ाई में अबतक गाजा के 61 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। वहीं वठ ने चेतावनी देते हुए कहा कि गाजा में हजारों लोग पर भूखे मरने का जोखिम है। गाजा में लगातार इजराइली गोलीबारी, हवाई हमले और नाकाबंदी की वजह से लोग मानसिक तौर पर बुरी तरह से टूट चुके हैं। कई लोगों अपने बच्चों को पेट भर खाना खिलाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। न्यूज एजेंसी वफा के मुताबिक इजरायली सैनिकों वेस्ट बैंक में हेब्रोन के फव्वार रिफ्यूजी कैंप में 8 फिलिस्तीनियों को गिरफ्तार किया। सैनिकों ने यहां कई घरों पर छापे मारे गए और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया और तोड़फोड़ की। वर्ल्ड हेरिटेज साइट पर को निशाना बना रहा इजराइल

दक्षिणी गाजा में कुवैती हॉस्पिटल के चाइल्ड रोग एक्सपर्ट हेजम मुसलेह ने मीडिया को बताया कि इजराइली हमलों की वजह से बच्चों को गंभीर स्वास्थ्य संकट का सामना करना पड़ रहा है। दूसरी तरफ ग्लोबल हेरिटेज डे पर मन राइट्स ग्रुप अल-हक ने बताया कि इजराइल सेना ने कई फिलिस्तीनी सांस्कृतिक स्थलों को निशाना बनाया है, जिनमें कुछ को यूनेस्को ने वर्ल्ड हेरिटेज साइट के तौर पर लिस्ट किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वेस्ट बैंक के उत्तरी बेथलहम में स्थित अल-मखरौर इलाका जिसे 2014 में वठ की वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में जोड़ा था पर भी इजराइली कब्जे का खतरा बढ़ता जा रहा है। रविवार को किए हमले में 37 लोगों की मौत इससे पहले गाजा के अल-बलाह में रविवार रात हुए इजराइली हमले में 37 लोगों की मौत हो गई थी। इसमें 6 भाई थे। इनकी उम्र 10 साल से 34 साल के बीच थी। इजराइल ने हमास की नुखबा फोर्स के एक लीडर हमजा वायल मुहम्मद असाफा मारने का दावा किया है। हमजा इजराइल पर 7 अक्टूबर के हमले और बंधकों की रिहाई एक फेज में शामिल था। इजराइली डिफेंस फोर्सेस (आईडीएफ) के मुताबिक हमजा की मौत दो हफ्ते पहले सेंट्रल गाजा में एक हमले में हुई थी। हमजा ने इजराइल बंधक एलियाहु शाराबी, ओहद बेन-अमी और ओर लेवी की रिहाई के कार्यक्रम में हिस्सा लिया था इजराइल ने गाजा के राफा को घेरा इजराइली सेना ने राफा का बाकी गाजा से संपर्क काट दिया है।

रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने 12 अप्रैल को इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने मोराग कॉरिडोर पर कब्जा कर लिया है, जिससे राफा का गाजा पट्टी से संपर्क टूट गया है। मोराग कॉरिडोर दक्षिणी गाजा में एक रास्ता है जो उसे गाजा पट्टी से अलग करता है। काट्ज ने गाजा के लोगों को धमकी देते हुए कहा कि यह हमास को भगाने और सभी बंधकों को रिहा कर जंग को खत्म करने का आखिरी मौका है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो ये सब गाजा के दूसरे इलाके में भी होना शुरू हो जाएगा। राफा पर अब इजराइल कंट्रोल करेगा काट्ज ने कहा कि राफा को अब इजराइली सिक्योरिटी जोन में बदल दिया गया है। इजराइली सिक्योरिटी जोन का मतलब मतलब उन जगहों से है, जिन्हें इजराइल अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी मानता है और उन्हें कंट्रोल करता है।

अमेरिका-ईरान में न्यूक्लियर डील पर बातचीत शुरू

इटली के रोम में मिले दोनों देशों के नेता; ईरान को अमेरिका के इरादों पर शक

एजेंसी

रोम, अमेरिका और ईरान के बीच आज इटली की राजधानी रोम में न्यूक्लियर डील पर बातचीत शुरू हो गई है। इस बातचीत में अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराकची शामिल हैं। दोनों के बीच डील पर बातचीत का यह दूसरा फेज है। इससे पहले ईरानी विदेश मंत्री अराकची ने गुरुवार को रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से बात की। इस दौरान अराकची ने कहा कि अमेरिका के इरादों पर भरोसा नहीं है, लेकिन फिर भी बातचीत करेंगे। अमेरिका और ईरान के बीच 12 अप्रैल

को दोनों देशों के ओमान में बीच पहली बातचीत हुई थी। इसकी मध्यस्थता ओमान के विदेश मंत्री बदर अल-बुसैदी ने की थी। यह दोनों देशों में एक दशक के बाद न्यूक्लियर डील पर होने वाली पहली आधिकारिक बातचीत थी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ईरान को न्यूक्लियर प्रोग्राम नहीं छोड़ने पर खामियाजा भुगतने की धमकी दे चुके हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट के मुताबिक ट्रम्प की प्राथमिकता है कि ईरान कभी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। लेविट ने पिछले हफ्ते एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प पहले भी साफ कर चुके हैं कि इस मामले में सभी विकल्प खुले हैं। ईरान के पास दो विकल्प हैं- या तो ट्रम्प की मांगों को माने, या गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहे।

यही इस मुद्दे पर ट्रम्प की दृढ़ भावना है। पॉलिटिको की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने ईरान को एक नई परमाणु डील पर सहमति के लिए 60 दिनों का समय दिया है, नहीं तो सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दी है। यह चेतावनी एक चिट्ठी के जरिए ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को भेजी गई।

इस पत्र में साफ तौर पर कहा गया कि तेहरान को वाशिंगटन के साथ बातचीत के लिए तैयार रहना होगा, चाहे यह बातचीत सीधे ही क्यों न हो।

नहीं तो ऐसे परिणाम भुगतने होंगे जो ईरानी सरकार की स्थिरता को खतरे में डाल सकते हैं। इससे पहले 30 मार्च को ट्रम्प ने ईरान को धमकी दी थी कि अगर वह अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम पर किसी समझौते पर नहीं पहुंचता तो अमेरिका उस पर बमबारी कर सकता है। ट्रम्प ने ईरान पर सेकेंडरी टैरिफ लगाने की भी धमकी दी।

बांग्लादेश में हिंदू नेता की पीट-पीटकर हत्या

पत्नी ने बताया- घर से उठा ले गए थे; भारत बोला- बांग्लादेश बिना भेदभाव सबकी रक्षा करे

एजेंसी

ढाका, बांग्लादेश में अज्ञात लोगों ने एक बड़े हिंदू नेता की हत्या कर दी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भाबेश चंद्र रॉय (58) को गुरुवार दोपहर को उनके घर से किडनैप किया गया और पीट-पीटकर मार डाला गया। वे बांग्लादेश पूजा उद्यापन परिषद की बीराल इकाई के उपाध्यक्ष थे। हिंदू समुदाय में उनकी बड़ी पकड़ थी। पुलिस ने बताया कि वे ढाका से 330 किमी दूर दिनाजपुर के बसुदेवपुर गांव के रहने वाले थे। भाबेश चंद्र रॉय की पत्नी शांतना ने बताया कि गुरुवार को करीब 4:30 बजे उनके पति को एक फोन आया था। फोन करने वाला सिर्फ यह जानना चाहता था कि भाबेश घर पर हैं या नहीं। इसके करीब आधे घंटे बाद दो बाइक पर सवार चार लोग उनके घर आए और भाबेश को जबरदस्ती उठाकर ले गए। चश्मदीदों के मुताबिक, उन्हें पास के नराबाड़ी गांव ले जाया गया और वहां बेरहमी से पीटा गया। गुरुवार शाम को ही हमलावरों ने भाबेश को बेहोश हालत में वैन से उनके घर भिजवा दिया। पहले उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, फिर दिनाजपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बीराल पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी अब्दुस सबूर ने कहा कि इस मामले में केस दर्ज करने की तैयारी चल रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस संदिग्धों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए काम कर रही है। भाबेश की पत्नी शांतना ने कहा कि वह हमलावरों में से दो को पहचान सकती हैं। भारत बोला- बांग्लादेश सभी अल्पसंख्यकों की रक्षा करे भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस मामले में बयान जारी कर कहा- हमें बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक नेता भाबेश चंद्र रॉय की किडनैपिंग और हत्या के बारे में जानकारी मिली है। यह हत्या बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के तहत हिंदू अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न का एक पैटर्न दिखती है। पहले भी ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिनमें आरोपी बिना सजा पाए आजादी से घूमते हैं। बयान में आगे कहा गया कि हम इस घटना की निंदा करते हैं और एक बार फिर अंतरिम सरकार को याद दिलाते हैं कि वह बिना कोई बहाना बनाए या भेदभाव किए हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करने की अपनी जिम्मेदारी निभाए। एक दिन पहले यानी शुक्रवार को भी भारत ने बांग्लादेश से कहा था कि पश्चिम बंगाल में हिंसा को लेकर नैतिक उपदेश देने के बजाय अपने यहां अल्पसंख्यकों की रक्षा पर ध्यान दे। दरअसल, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस के प्रेस सेक्रेटरी ने कहा था कि भारत को उन अल्पसंख्यक मुस्लिमों की रक्षा करनी चाहिए, जो पिछले हफ्ते बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा से प्रभावित हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने इस बात से इनकार कर दिया कि इस हिंसा को भड़काने में बांग्लादेश का हाथ है। भारत ने कड़ा विरोध करते हुए कहा कि बांग्लादेश का यह बयान धूर्तता और कपट से भरा है। वह अपने यहां अल्पसंख्यकों के नरसंहार से ध्यान भटकाना चाहता है। 5 अगस्त, 2024 को बांग्लादेश में लंबे छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना सरकार का तख्तापलट हुआ था। हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। इसके साथ ही बांग्लादेश में हालात बिगड़ गए। पुलिस रातों-रात अंडरग्राउंड हो गई। लॉ एंड ऑर्डर ध्वस्त हो गया। बेकाबू भीड़ के निशाने पर सबसे ज्यादा अल्पसंख्यक, खासतौर पर हिंदू आए।

लैंडिंग के दौरान प्लेन का पहिया टूटा

फिर लगी आग, पैसेंजर बोलीं- ऐसा लगा अब धरती पर हमारी कहानी खत्म हो गई

एजेंसी

अमेरिकी विमान कंपनी फ्रंटियर एयरलाइंस के विमान का एक पहिया लैंडिंग के दौरान टूट गया। इस विमान ने फ्लोरिडा से प्यूर्टो रिको के सैन जुआन के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन लैंडिंग के वक्त इसके फ्रंट लैंडिंग गियर में गड़बड़ी आ गई। ऑनलाइन वायरल वीडियो में विमान की खिड़की के बाहर धुआं दिखाई देता है, जबकि

प्लेन के अंदर से यात्रियों के रोने और प्रार्थना करने की आवाज सुनाई देता है। एक पैसेंजर मेलानी गोंजालेज व्हार्टन ने इस हादसे का बारे में फेसबुक पर लिखा- कुछ मिनटों के लिए मुझे लगा कि अब धरती पर हमारी कहानी खत्म हो गई है। हकीकत तो यह है कि अनुभवहीन लोग प्लेन उड़ा रहे थे। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन और नेशनल ट्रांसपोर्ट सेफ्टी बोर्ड इस मामले की जांच कर रहा है। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक मंगलवार को 228 यात्रियों को ले जा रहे एयरबस अ321 की लैंडिंग के दौरान फ्रंट लैंडिंग गियर का एक पहिया टूट गया। इस हादसे में अभी तक किसी के घायल होने की खबर नहीं है, सभी यात्रियों को सुरक्षित टैक्सीवे पर उतार दिया गया और विमान को बस से टर्मिनल तक पहुंचाया गया। फ्रंटियर एयरलाइंस ने इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि विमान सुरक्षित रूप से लैंड कर गया, किसी पैसेंजर या क्रू को कोई चोट नहीं आई। घटना की जांच की जा रही है।

मुर्शिदाबाद दंगा पीड़ितों से मिले बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ,कार्रवाई का दिया आश्वासन

राज्यपाल ने कहा कि मैंने एक बार उनसे कहा था कि वे मुझसे सीधे बात करने के लिए स्वतंत्र महसूस करें। फोन नंबर भी दिया गया है। हम उनके संपर्क में रहेंगे। निश्चित रूप से, बहुत प्रभावी सक्रिय कदम उठाए जाएंगे।

एजेंसी

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस मुर्शिदाबाद हिंसा के पीड़ितों से मिले। 11 अप्रैल को वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के कारण इलाके में हिंसा भड़क उठी। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि वे (पीड़ित) सुरक्षा की भावना चाहते हैं और निश्चित रूप से कुछ अन्य मांगें या उनके द्वारा सुझाव दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन सब पर विचार किया जाएगा। मैं उचित कार्रवाई के लिए इसे भारत सरकार और राज्य सरकार के समक्ष उठाऊंगा। मैं इसका अनुसरण करूंगा। राज्यपाल ने कहा कि मैंने एक बार उनसे कहा था कि वे मुझसे सीधे बात करने के लिए स्वतंत्र महसूस करें। फोन नंबर भी दिया गया है। हम उनके संपर्क में रहेंगे। निश्चित रूप से, बहुत प्रभावी सक्रिय कदम उठाए जाएंगे। मैंने उनसे (पीड़ितों से) भी कहा है कि वे मुझसे बेझिझक बात करें। उन्होंने कहा कि उन्हें न्याय चाहिए, उन्हें न्याय मिलेगा। मालदा जिले में राहत शिविर के बाहर लोगों ने प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस से मिलने नहीं दिया। सी.वी. आनंद बोस ने मुर्शिदाबाद हिंसा से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की थी। इससे पहले बोस ने वैष्णबनगर के परलालपुर हाईस्कूल स्थित शरणार्थी शिविर में शरण लिए बच्चों, महिलाओं और पुरुषों से बात की। उन्होंने शरण लिए लोगों से मुलाकात के बाद कहा, मैंने यहां शिविर में रह रहे परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। मैंने उनकी शिकायतें सुनीं और उनकी भावनाओं को समझा। उन्होंने मुझे विस्तार से जानकारी दी और यह भी बताया कि वे क्या चाहते हैं। निश्चित रूप से कुछ सक्रिय कार्रवाई की जाएगी। विस्थापित लोग मूल रूप से हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले के रहने वाले हैं, जो सुरक्षा की तलाश में पड़ोसी मालदा जिले में आए हैं। बोस ने मालदा के लिए ट्रेन में सवार होने से पहले कोलकाता में संवाददाताओं से कहा, मैं (हिंसा प्रभावित) क्षेत्र में जा रहा हूं।

हम डरने वाले नहीं हैं, सोनिया गांधी, राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की चार्जशीट पर बोले खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने एआईसीसी महासचिवों, प्रभारियों की बैठक में कहा कि यह महज संयोग नहीं हो सकता कि ईडी की कार्रवाई एआईसीसी के अधिवेशन के तुरंत बाद हुई। नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी, राहुल गांधी के खिलाफ ईडी के आरोप-पत्र पर सरकार की आलोचना करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हम डरने वाले नहीं हैं।

एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय के आरोपपत्र से पार्टी डरने वाली नहीं है। मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस की बैठक में कहा कि ईडी के आरोप-पत्र में सोनिया गांधी, राहुल गांधी का नाम, नेशनल हेराल्ड की संपत्तियां जब्त, ये सब बदले की भावना से किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने एआईसीसी महासचिवों, प्रभारियों की बैठक में कहा कि यह महज संयोग नहीं हो सकता कि ईडी की कार्रवाई एआईसीसी के अधिवेशन के तुरंत बाद हुई। नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी, राहुल गांधी के खिलाफ ईडी के आरोप-पत्र पर सरकार की आलोचना करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हम डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह महज संयोग नहीं हो सकता कि ईडी की कार्रवाई अहमदाबाद में आयोजित एआईसीसी सत्र के तुरंत बाद हुई। प्रवर्तन निदेशालय ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपपत्र दाखिल किया, जिसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी को आरोपी नंबर 1 और 2 के रूप में नामित किया गया। 9 अप्रैल को प्रस्तुत आरोपपत्र की विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने समीक्षा की, जिन्होंने संज्ञान पर विचार करने के लिए मामले की आगे की कार्यवाही 25 अप्रैल, 2025 को निर्धारित की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार के वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ कांग्रेस पार्टी ने पूरे विपक्ष को एकत्र किया और बिल का विरोध किया। सभी दल के लोगों ने साथ दिया। सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई कर रही है। मुझे खुशी है कि कांग्रेस और विपक्ष के दूसरे दलों ने जिन बिंदुओं को रखा था, सुप्रीम कोर्ट ने उनको महत्व दिया है। खास तौर पर सरकार द्वारा का मुद्दा, जानबूझ कर वक्फ की संपत्तियों को विवाद में डालने के लिए ही लाया गया है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई अभी कर रही है, हमें पूरा भरोसा है कि हम इस लड़ाई को भी जीतेंगे।

सभी विदेशियों को अपराधी मानने का दे रहा संदेश

अभिषेक मनु सिंघवी ने आव्रजन और विदेशी अधिनियम को लेकर उठाए सवाल

सिंघवी की आशंकाएं इससे भी आगे जाती हैं। उन्होंने कहा कि आज (यह अधिनियम) संदिग्ध विदेशियों को निशाना बनाता है। कल यह भीतर की ओर मुड़ सकता है। इसका प्रभाव सीमा पर ही नहीं रुकेगा। नए आव्रजन और विदेशी अधिनियम 2025 का शायद सबसे चिंताजनक खंड धारा 3 है, जिसमें कई प्रावधान हैं। यह सरकार को किसी भी व्यक्ति को परिभाषित करने, हिरासत में लेने और निर्वासित करने का एक खाली चेक देता है, जिसे वे असुविधाजनक मानते हैं।

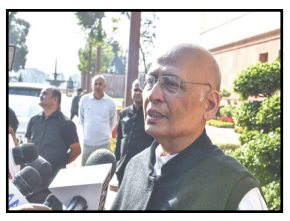

एजेंसी

देश का ध्यान वक्फ अधिनियम और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ पर केंद्रित था, वहीं सरकार ने नया आव्रजन और विदेशी अधिनियम 2025 पारित कर दिया है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के अग्रणी वकीलों में से एक और कांग्रेस के राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह असंवैधानिक, गैर-भारतीय और ऑरवेलियनस्र है। उन्होंने कहा कि यह विदेशी होने के विचार को अपराधी बनाता है क्योंकि यह बिना किसी कारण या उपाय के परेशान करने, हिरासत में लेने और निर्वासित करने का लाइसेंस है। आव्रजन और विदेशी अधिनियम 2025 पर चर्चा करने के लिए करण थापर के साथ इंटरव्यू में सिंघवी ने कहा कि यह अधिनियम आव्रजन के प्रबंधन के बारे में नहीं है; यह अनियंत्रित प्राधिकरण को संस्थागत बनाने और काफ्कास्क कल्पना और ऑरवेलियन नियंत्रण को सामान्य बनाने के बारे में है। सिंघवी की आशंकाएं इससे भी आगे जाती हैं। उन्होंने कहा कि आज (यह अधिनियम) संदिग्ध विदेशियों को निशाना बनाता है। कल यह भीतर की ओर मुड़ सकता है। इसका प्रभाव सीमा पर ही नहीं रुकेगा। नए आव्रजन और विदेशी अधिनियम 2025 का शायद सबसे चिंताजनक खंड धारा 3 है, जिसमें कई प्रावधान हैं।

शुभेंदु अधिकारी ने निकाली बंगाली हिंदू बचाओ रैली

लगाए गए हिंदू-हिंदू भाई-भाई के नारे

रैली में भाग लेने वालों ने हिंदू-हिंदू भाई-भाई के नारे लगाए। मुर्शिदाबाद में निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए राज्य सरकार के खिलाफ यह रैली निकाली गई।

एजेंसी

बंगाल के विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के खिलाफ राज्य की राजधानी कोलकाता में एक विशाल विरोध रैली निकाली, जिसमें हिंदू परिवारों को उपद्रवियों द्वारा निशाना बनाया गया था। वरिष्ठ भाजपा नेता ने अन्य नेताओं और पार्टी की युवा शाखा भारतीय युवा मोर्चा के साथ कोलकाता में नेताजी भवन (नेताजी सुभाष चंद्र बोस का निवास) से रैली की शुरूआत की रैली में भाग लेने वालों ने हिंदू-हिंदू भाई-भाई के नारे लगाए।

मुर्शिदाबाद में निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए राज्य सरकार के खिलाफ यह रैली निकाली गई। मुर्शिदाबाद में अशांति के मद्देनजर बढ़ते शरणार्थी संकट पर चिंता जताते हुए भाजपा ने केंद्रीय राज्य मंत्री और भाजपा बंगाल प्रमुख सुकांत मजूमदार के नेतृत्व में बालुरघाट में भी एक विशाल रैली निकाली। रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच हाथापाई हुई। रैली बालुरघाट शहर से जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय तक आयोजित की गई, जिसका समापन कई महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करते हुए उप-विभागीय अधिकारी (एसडीओ) को एक प्रतिनिधिमंडल सौंपने के साथ हुआ।

प्रदर्शनकारियों ने शरणार्थी संकट, एसएससी भर्ती घोटाले में व्यापक अनियमितताओं तथा नौकरियों से वंचित 26,000 से अधिक योग्य उम्मीदवारों के साथ हो रहे अन्याय पर चिंता जताई। रैली में तपन विधायक बुधराय टुडू, घंगारामपुर विधायक सत्येंद्रनाथ राय और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार सहित प्रमुख राजनीतिक हस्तियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जो तत्काल सरकारी हस्तक्षेप और न्याय की मांग करते हुए लोगों के साथ एकजुटता में खड़े हुए।

संक्षेप

खेत में काम करते समय सांप ने काटा

41 वर्षीय किसान की अस्पताल ले जाते समय मौत, परिवार में कोहराम

बांदा, बिसंडा थाना क्षेत्र के कोर्रा खुर्द में एक दर्दनाक घटना सामने आई। खेत में काम करते समय जहरीले सांप ने एक किसान को काट लिया। किसान की मौत अस्पताल ले जाते समय रास्ते में हो गई। उमेश कुमार (41) अपने परिवार के साथ खेत में कटी हुई गेहूं की फसल इकट्ठा कर रहे थे। इसी दौरान जहरीले सांप ने उन्हें काट लिया। सांप के काटने के बाद उमेश की हालत बिगड़ने लगी। पत्नी ने जब उनकी हालत बिगड़ते देखी तो परिजनों की मदद से तुरंत सीएचसी ले गई। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बांदा जिला अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन रास्ते में ही उमेश की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

विहिप ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

बंगाल में वक्फ कानून के विरोध के नाम पर हिंसा का विरोध, सरकार से हस्तक्षेप की मांग

बांदा, विश्व हिंदू परिषद ने राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपकर पश्चिम बंगाल की स्थिति पर गंभीर चिंता जताई है। संगठन ने बताया कि वक्फ कानून के विरोध की आड़ में पूरे बंगाल में हिंसा फैलाई जा रही है। मुर्शिदाबाद में 11 अप्रैल 2025 को हुई हिंसा में 2100 से अधिक हिंदुओं के घरों और दुकानों को जलाया गया। इस दौरान तीन लोगों की हत्या कर दी गई। कई महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं भी सामने आईं। हिंसा के बाद 500 से अधिक हिंदू परिवारों को मुर्शिदाबाद से पलायन करना पड़ा। विहिप ने आरोप लगाया कि राज्य का प्रशासनिक तंत्र दंगाइयों के खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय कई जगहों पर उनकी मदद कर रहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पीड़ित परिवारों की मदद करने की बजाय दंगा भड़काने वाले इमामों से मिल रही हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि एक इमाम ने हिंसा से एक दिन पहले ममता बनर्जी को धमकी दी थी। विहिप ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री शरणार्थियों को सुविधाएं देने की बजाय उन्हें वापस हिंसक भीड़ के सामने भेजने की साजिश कर रही हैं।

विहिप ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

बंगाल में वक्फ कानून के विरोध के नाम पर हिंसा का विरोध, सरकार से हस्तक्षेप की मांग

बांदा, विश्व हिंदू परिषद ने राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपकर पश्चिम बंगाल की स्थिति पर गंभीर चिंता जताई है। संगठन ने बताया कि वक्फ कानून के विरोध की आड़ में पूरे बंगाल में हिंसा फैलाई जा रही है। मुर्शिदाबाद में 11 अप्रैल 2025 को हुई हिंसा में 2100 से अधिक हिंदुओं के घरों और दुकानों को जलाया गया। इस दौरान तीन लोगों की हत्या कर दी गई।

महाकुंभ बसाने वाले लल्लूजी के गोदाम में भीषण आग

फायर कर्मियों के शरीर पर फफोले पड़े; 3 किलोमीटर से दिखीं लपटें

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, महाकुंभ में टेंट सिटी बसाने वाले लल्लूजी के गोदाम में शनिवार सुबह भीषण आग लग गई। गोदाम में 5 लाख बांस-बल्लियां, टेंट के पर्दे, रजाइयां और गद्दे रखे थे। इससे आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया। गोदाम में रखे गए सिलेंडर फटने लगे। आग की लपटें 3 किलोमीटर दूर से दिखाई दे रही थीं। आग इतनी भयावह थी कि बुझाने के लिए सेना को बुलाया गया। फायर ब्रिगेड की 18 गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई। इसके अलावा आसपास के जिलों से भी फायर टेंडर बुलाए गए। हालांकि धुआं अभी भी उठ रहा है। आग लगे के दौरान तपिश इतनी ज्यादा थी कि दमकलकर्मियों के शरीर पर फफोले पड़ गए। पुलिस ने 2 किलोमीटर के क्षेत्र को सील कर दिया। आसपास के इलाके के लोगों को भी अलर्ट कर दिया गया। प्रयागराज डीएम भी मौके पर पहुंचे। आग कैसे लगी, यह अभी तक साफ नहीं हो पाया है। गोदाम शास्त्री ब्रिज के बीच में काली सड़क पर है। बताया जा रहा है कि सुबह 6.30 गोदाम में मजदूर छोटे सिलेंडर पर खाना बना रहे थे, तभी सिलेंडर फट गया। इसके बाद आग लग गई। आग की लपटें देखकर गोदाम में सो रहे कर्मचारी और आसपास के लोग भाग कर पहुंचे। बाल्टी और पाइप से पानी डालना शुरू कर दिया, लेकिन आग तेजी से बढ़ते देख लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। इस बार भी महाकुंभ में टेंट का जिम्मा लल्लूजी एंड संस कंपनी के पास था। यह कंपनी 104 साल से रेत पर तंबुओं का शहर बसाने का काम कर रही है। इस कंपनी को कुंभ का विश्वकर्मा कहा जाता है। लल्लूजी एंड संस के कार्यालय और गोदाम प्रयागराज के परेड ग्राउंड, रामबाग, झूंसी और नैनी के साथ ही देशभर में हैं। कंपनी हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में लगने वाले मेलों में भी टेंट लगाने का काम करती है। कंपनी का सेटअप दिल्ली, उज्जैन, हरिद्वार और अहमदाबाद में भी है। 2025 महाकुंभ के लिए देश के 6 शहरों से लल्लूजी कंपनी की ओर से सामान मंगवाए गए थे।

भाजपा महानगर अध्यक्ष का नैनी में जोरदार स्वागत

संजय गुप्ता बोले– कार्यकताओं का सम्मान सर्वोपरि, नैनी में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज , प्रयागराज के नैनी लोकपुर में भाजपा के नवनिर्वाचित महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता का भव्य स्वागत किया गया। चकभटाई पार्षद मयंक यादव के निवास पर आयोजित कार्यक्रम में गुप्ता ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। संजय गुप्ता ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यकताओं की उपेक्षा किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार कार्यकताओं के बल पर ही है। क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए गुप्ता ने कहा कि नैनी क्षेत्र को अपराध मुक्त बनाने के लिए हर खंभे पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में माफियाओं का अंत हो चुका है। बचे हुए माफियाओं की भी गिनती शुरू हो गई है। महानगर अध्यक्ष ने कार्यकताओं से कहा कि देश और प्रदेश की सरकार जनता के लिए काम कर रही है। इसमें कर्मठ कार्यकताओं का विशेष योगदान है। उन्होंने भविष्य में भाजपा के एकमात्र राजनीतिक विकल्प बनने का दावा भी किया। कार्यक्रम में कुंवर परमात्मा सिंह, पार्षद मयंक यादव, सत्यम शुक्ला, संजय श्रीवास्तव, रजत दुबे, सरदार पतविन्दर सिंह समेत कई भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

नए डीएम संजय चौहान ने संभाला पद

- शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करना और भ्रष्टाचार पर कार्रवाई होगी प्राथमिकता

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, नए जिलाधिकारी संजय चौहान ने आज अपना कार्यभार संभाल लिया। दोपहर में कोषागार पहुंचकर उन्होंने पद का कार्यभार ग्रहण किया। इसके बाद कलेक्ट्रेट में पत्रकारों से बातचीत की। संजय चौहान 1998 बैच के पीसीएस अधिकारी हैं। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड के विभाजन से पहले अल्मोड़ा समेत कई जिलों में उनकी तैनाती रही। उन्होंने हरिद्वार से एसडीएम के रूप में अपनी सेवा शुरू की। गोरखपुर, मेरठ और नोएडा में भी सेवाएं दीं। सहारनपुर में 14 वर्षों तक नगर आयुक्त के पद पर रहे। डीएम चौहान ने अपनी प्राथमिक शिक्षा आरपीएस इंटर कॉलेज से प्राप्त की। उनके पिता अंतरराष्ट्रीय स्तर के कृषि वैज्ञानिक रह चुके हैं। मूल रूप से एटा जिले के रहने वाले चौहान ने पिता के कार्य के कारण कई शहरों में निवास किया। नए जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। भ्रष्टाचार पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि दंडात्मक कार्रवाई से पहले एक बार सुधार का मौका दिया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि फरियादियों को समय पर न्याय मिलेगा और कोई भी व्यक्ति परेशान नहीं होगा।

सफाई कर्मचारियों का वेतन और पीएफ के लिए विरोध

तीन माह से नहीं मिला वेतन, ईओ ने जल्द भुगतान का दिया आश्वासन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, सफाई कर्मचारियों ने बकाया वेतन और पीएफ भुगतान की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश सफाई मजदूर संघ के बैनर तले कर्मचारियों ने तहसील दिवस पर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। नगर पालिका में धरना दे रहे कर्मचारियों ने सेवा प्रदाता कंपनी रेखा सिक्योरिटी के खिलाफ नारेबाजी की। संघ के अध्यक्ष संतोष चौधरी ने बताया कि कर्मचारियों को कई महीनों से वेतन नहीं मिला है। दिसंबर के बाद से किसी भी कर्मचारी का पीएफ जमा नहीं किया गया है। कर्मचारियों की शिकायत है कि हर महीने वेतन भुगतान में देरी की जाती है। कंपनी कभी साइट की समस्या तो कभी बैंक बंद होने का बहाना बनाकर 25-26 तारीख तक भुगतान टालती है। अब कंपनी का ठेका भी निरस्त हो गया है, जिससे कर्मचारियों का तीन-चार महीने का वेतन और पीएफ अटका हुआ है। अधिशासी अधिकारी लालचंद सरोज से वार्ता के बाद उन्होंने जल्द वेतन और अन्य बकाया भुगतान का आश्वासन दिया। इस आश्वासन के बाद कर्मचारियों ने अपना धरना समाप्त कर दिया। धरने में संगठन के नगर अध्यक्ष राजू पहलवान जमाल अहमद, शालू सिंह सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। अधिशासी अधिकारी के आश्वासन के बाद सफाई कर्मियों ने अपना धरना समाप्त कर दिया।

दो बाइक की आमने-सामने टक्कर

- हादसे में दो युवक घायल, शराब के नशे में चला रहे थे बाइक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, गौरीगंज से रायबरेली मार्ग पर बन्नाटिकर स्थित जोधा ढाबा के सामने दो बाइक की आमने-सामने से टक्कर हो गई। हादसे में दो युवक घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि दो युवक गौरीगंज से डीजल लेकर घर जा रहे थे। इसी दौरान शराब के नशे में दूसरी बाइक सवार युवकों ने जोधा ढाबा के सामने तेज रफ्तार से बाइक चलाते हुए टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने घायल युवकों को जोधा ढाबे के पास स्थित लाइफ केयर मेडिकल में भर्ती कराया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जानकारी ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जवाहर नवोदय विद्यालय में पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम

एसपी ने यातायात नियमों और साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जवाहर नवोदय विद्यालय गौरीगंज में पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने छात्राओं और शिक्षकों को महिला सुरक्षा के बारे में जागरूक किया। एसपी ने मिशन शक्ति के तहत नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन पर जोर दिया। उन्होंने महिला हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। इनमें पुलिस आपातकालीन सेवा 112, वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, एंबुलेंस सेवा 108, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 और चाइल्ड लाइन 1098 शामिल हैं। कार्यक्रम में यातायात नियमों की भी जानकारी दी गई। छात्राओं को बताया गया कि वाहन चलाते समय ओवर स्पीड से बचें। सीट बेल्ट का प्रयोग करें और दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट जरूर पहनें। साइबर सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया। साइबर अपराध की स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करने की सलाह दी गई। स्थानीय थाने में भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

जल्द रिपोर्टिंग से धन वापसी की संभावना बढ़ जाती है। एसपी ने सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत जानकारी शेयर न करने की सलाह दी।

बारात लेकर जा रहा दूल्हा ट्रेन के आगे कूदा

अमेठी में चलती कार से उतरा, ढाई घंटे तक घूमता रहा, फिर लगाई छलांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, बारात लेकर जा रहे दूल्हे ने ट्रेन के आगे कूदकर सुसाइड कर लिया। वह बारात लेकर निकला। घर से 45 किमी दूर चलती कार से बैग लेकर उतर गया। लोग कुछ समझ पाते, इससे पहले वो ओवरब्रिज पर चढ़ गया। फिर ढाई घंटे बाद मालगाड़ी के आगे कूदकर जान दे दी। घटना अमेठी के गौरीगंज थाना क्षेत्र की है। दूल्हे की मौत की सूचना मिलते ही दुल्हन रो-रोकर बेसुध हो गई। पुलिस के मुताबिक, सुसाइड की वजह अब तक पता नहीं चल सकी है। घरवालों ने बताया कि युवक की मर्जी से शादी तय की गई थी। उसका कहीं कोई प्रेम-प्रसंग भी नहीं चल रहा था। 30 साल का दूल्हा रवि यादव रायबरेली के सलोन थाना के सूची चौराहे का रहने वाला था। उसकी शादी 4-5 महीने पहले मऊ के घोसी थाना क्षेत्र के नवापुर गांव निवासी आनंद यादव की बहन से तय हुई थी। पिता राम किशोर ने बताया घर से बारात रवाना हुई। दूल्हा रवि भी खुशी-खुशी दुल्हन के घर के लिए निकला। करीब 5 बजे हम लोग कार से अमेठी के सैंठा चौराहे पहुंचे। गौरीगंज ब्रिज पर गाड़ी स्लो हुई थी, तभी रवि कार से उतरकर भागने लगा। हम पकड़ने के लिए भागे, तब तक वो ओवरब्रिज पर चढ़ गया। रवि चार किलोमीटर दूर स्थित बनी हॉल्ट रेलवे स्टेशन पर उतरा। यहां रेलवे ट्रैक पर खड़ा हो गया। शाम करीब 7:30 बजे प्रतापगढ़ से लखनऊ जा रही मालगाड़ी के आगे कूदकर जान दे दी। रेलवे के पॉइंट मैन चंदन कुमार ने मालगाड़ी से ही इसकी सूचना गौरीगंज रेलवे स्टेशन को दी।

इसके बाद स्टेशन मास्टर संजय ने गौरीगंज पुलिस को खबर दी। मौके पर पहुंची पुलिस को रवि के बैग में शादी के कपड़े और मोबाइल मिला, जिससे पहचान कर पुलिस ने परिवार वालों को सूचना दी। परिवार वालों ने जब रवि की पहचान की तो उसने जींस-टीशर्ट पहन रखी थी। माना जा रहा है कि उसने चलती ट्रेन में ही शादी वाले कपड़े बदले होंगे।

दिल्ली से बिहार लौट रहे इंजीनियर की ट्रेन से मौत

मालवा एक्सप्रेस की चपेट में आने पर कटा शरीर, 30 अप्रैल को थी शादी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, एक दर्दनाक घटना में दिल्ली से बिहार लौट रहे सिविल इंजीनियर की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। मथुरा में आझई वृंदावन रोड रेलवे स्टेशन के बीच मालवा एक्सप्रेस की चपेट में आने से युवक का सिर धड़ से अलग हो गया। कंट्रोल रूम पर सूचना प्राप्त हुई। सूचना के आधार पर पुलिस मौके पर पहुंचकर युवक की तलाशी ली। आरपीएफ को मृतक की जेब से मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान हुई। मृतक का नाम अभिषेक कुमार सिंह था। वह बिहार के रोहतास जिले के सदोखर गांव का रहने वाला था। अभिषेक दिल्ली में सिविल इंजीनियर के रूप में काम करता था। मृतक के दोस्त ने बताया कि वह दिल्ली में रहकर एक कंपनी में इंजीनियर के पद पर तैनात था और 30 अप्रैल को अभिषेक की शादी होनी थी। वह शादी की तैयारियों में जोर शोर से जुटा हुआ था। 15 अप्रैल को वह बनारस के लिए निकला था। लेकिन शनिवार शाम देर शाम उसकी मौत की खबर आई तो पैरों तारे जमीन खिसक गई और सभी दंग रह गए। सभी सोच रहे थे कि आखिर हुआ तो यह हुआ कैसे क्योंकि अभिषेक तो पूरी तरह से अपनी शादी की तैयारी में जाता हुआ था। जीआरपी पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। शनिवार सुबह परिजन पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचे इसके बाद पुलिस ने कागजी कार्रवाई करते हुए मृतक युवक का पोस्टमार्टम कराया। परिजनों के पहुंचने पर उन्हें शव सौंप दिया गया।

अल्पसंख्यकों को शादी अनुदान से वंचित किया

कांग्रेस ने राज्यपाल को भेजा ज्ञापन, कहा– भेदभावपूर्ण है सरकार की नीति

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, उत्तर प्रदेश में अल्पसंख्यक पिछड़ी जातियों को शादी अनुदान से वंचित करने का मामला सामने आया है। सुल्तानपुर में कांग्रेस नेताओं ने इस मुद्दे को उठाते हुए राज्यपाल के नाम सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग पात्र व्यक्तियों की बेटियों की शादी के लिए अनुदान देता है। विभाग ने मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन और पारसी समुदाय की पिछड़ी जातियों को इस योजना से बाहर कर दिया है। इन समुदायों के लिए न तो अल्पसंख्यक विभाग में कोई शादी अनुदान योजना है और न ही वे सामान्य श्रेणी में आवेदन कर सकते हैं। कांग्रेस ने इस नीति को भेदभावपूर्ण करार दिया है। पार्टी का कहना है कि केंद्र सरकार मुस्लिम पसमांदा समाज के लिए वक्फ बोर्ड कानून लाती है।

4 बच्चों की मां प्रेमी संग फरार

ताजमहल में जाकर रील बनाई और पति को भेज दी, चारों बच्चों और घर में रखे 60 हजार ले गई महिला

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, सास दामाद प्रकरण के बाद अब रोरावर थाना क्षेत्र में एक और मामला सामने आया है। इसमें एक चार बच्चों की मां अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई है। जाते समय वह अपने बच्चों को भी साथ ले गई और घर में रखे रुपए भी उठा ले गई। उसका पति रिश्तेदारी में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए अपनी मां के साथ घर से बाहर गया था। पत्नी अपने प्रेमी के साथ आगरा के ताजमहल पहुंची और वहां रील बनाकर पति को भेज दी। पति के पास यह रील पहुंची को वह हक्का-बक्का रह गया। उसने अपनी पत्नी से बात करने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं हो सकी। अब उसने पुलिस को शिकायत की है। रोरावर थाना क्षेत्र के मुहल्ला निवासी युवक मेहनत मजदूरी करता है। घर में उसकी पत्नी, चार बच्चे और मां साथ में रहती हैं। वह अपनी पत्नी और बच्चों को घर पर छोड़कर रिश्तेदारी की शादी समारोह में शामिल होने के लिए गया था। जिसके बाद वह बुधवार को लौटा था। जब वह घर लौटा को पत्नी और बच्चे गायब थे और घर पर ताला लगा हुआ था।

उसने पड़ोसियों से पूछा तो पता चला कि महिला घर की चाबी पड़ोसियों को देकर गई थी और कहीं जाने की बात कहकर गई थी।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी , एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग, कुर्ला (प) मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० –A–544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई , ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक – अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय– 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक– डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता– आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक– माता प्रसाद शर्मा, फिल्म– संपादक–जगन्नाथ तिवारी